RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 28 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 20-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना लटकी : गहलोत
6 देश की सियासत पर अपराधी आचरण हावी
7 अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है

फर्स्ट टेक

अभिनेत्री निधि अग्रवाल ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी के समक्ष पेश हुईं

हैदराबाद/भाषा। अभिनेत्री निधि अग्रवाल बुधवार को धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्होंने कहा, ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले के सिलसिले में उनका बयान दर्ज किया जा रहा है।

चीन में बेरोजगारी दर बढ़कर 17.9 प्रतिशत हुई

बीजिंग/भाषा। चीन में 16-24 वर्ष के युवाओं के बीच बेरोजगारी दर जुलाई में बढ़कर 17.9 प्रतिशत हो गई। सुस्त अर्थव्यवस्था के बीच रिकॉर्ड 1.27 करोड़ विश्वविद्यालय स्नातकों के नौकरी बाजार में प्रवेश करने से बेरोजगारी दर बढ़ी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, छात्रों को छोड़कर इस आयु वर्ग में बेरोजगारी दर जून के 14.9 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई में 17.9 प्रतिशत हो गई। यह हाल के वर्षों में बेरोजगारी दर का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है। अगस्त, 2025 में यह 18.9 प्रतिशत रही थी, जबकि जून, 2026 में यह 17.8 प्रतिशत थी। जुलाई-अगस्त में रिकॉर्ड 1.27 करोड़ विश्वविद्यालय स्नातक नौकरी बाजार में आए, जो पिछले साल की तुलना में चार प्रतिशत अधिक हैं। इस दौरान 25-29 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर भी जून के 7.1 प्रतिशत से बढ़कर जुलाई में 7.2 प्रतिशत हो गई।

स्कॉटलैंड के सांसद मार्टिन डे ने नितिन चंद से गुरुवायूर मंदिर में की शादी

त्रिशूर/भाषा। स्कॉटलैंड संसद के सदस्य मार्टिन डे ने अपनी साथी नितिन चंद से केरल के प्रसिद्ध गुरुवायूर श्रीकृष्ण मंदिर में विवाह किया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसके बाद मंगलवार को एक सभागार में पारंपरिक विवाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें दंपति के करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल हुए। स्कॉटिश नेशनल पार्टी' के नेता मार्टिन डे ने गुरुवायूर में पारंपरिक रीति रिवाजों के संपन्न हुए विवाह की तस्वीरें अपने फेसबुक पेज पर भी साझा कीं। सूत्रों के अनुसार, एर्नाकुलम जिले के पिरवोम की निवासी नितिन 2008 में आईटी मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन गई थी, जहां उनकी मुलाकात मार्टिन डे से हुई। उन्होंने बताया कि दोनों ने पहले ही ब्रिटेन में शादी कर ली थी, लेकिन नितिन की गुरुवायूर में विवाह समारोह आयोजित करने की इच्छा कई कारणों से टलती रही। इनमें बाढ़ और कोविड-19 महामारी भी शामिल थीं।

सूर्यास्त 20-07-2026 6:38 बजे | सूर्योदय 21-08-2026 6:10 बजे

BSE	NSE
76,909.68	24,078.30
(-325.78)	(-76.61)

सोना	चांदी
15,960 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	236,526 रु. प्रति किलो

झारखंड परीक्षा विवाद

प्रदर्शन स्थगित, प्रदर्शनकारियों ने सरकार को दो महीने का समय दिया

22 परीक्षाएं रद्द, 23 की जांच के आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने बुधवार को अपना 26 दिन से जारी प्रदर्शन स्थगित कर दिया और राज्य सरकार को समस्याओं के समाधान के लिए दो महीने का समय दिया। यह घोषणा झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार की ओर से मंगलवार को 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने और 2014 से राज्य लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) तथा एक आउटसोर्स एजेंसी द्वारा कराई गई 23 अन्य परीक्षाओं की जांच के आदेश के एक दिन बाद की गई।

'जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच' के एक नेता ने कहा, हम अब आंदोलन स्थगित कर रहे हैं और सरकार को दो महीने की चेतावनी दे रहे हैं कि वह मुद्दों का समाधान करे और भर्ती परीक्षा में हुई अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराए। छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे मंच ने बताया कि यहां जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जारी प्रदर्शन के दौरान 15 दिन से अनशन कर रहे तीन प्रदर्शनकारियों रूपेश कुमार पाल, सविता कुमारी और राहुल क्रांति ने बुधवार को अनशन समाप्त कर दिया। मंच के नेता रविंद्र पासवान ने कहा, ''छात्रों के 26 दिन के आंदोलन के दबाव में झारखंड सरकार ने 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द कीं और 23 अन्य की जांच शुरू की।'' प्रवक्ता पीयूष कुमार सिंह ने कहा कि यदि मुद्दों का समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, हम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील करते हैं कि वह भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों को दोबारा होने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाएं। साथ ही, उन्होंने 10 अगस्त को विधानसभा तक मार्च करने वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने और भर्ती परीक्षाओं के व्हिसलब्लोअर (गड़बड़ियों का खुलासा करने वाले) संतोष कुमार मस्ताना को वित्त विभाग में बहाल करने की मांग की।

वितरण

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के पटशपुर के जलभराव वाले इलाकों में पुलिस ने बुधवार को निवासियों के बीच राहत सामग्री बांटी।

जयशंकर ने सिंगापुर में नए भारतीय उच्चायोग के 'चांसरी कॉम्प्लेक्स' की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर में बुधवार को नए 'चांसरी कॉम्प्लेक्स' (भारतीय उच्चायोग परिसर) की आधारशिला रखी। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह उच्चायोग दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के ''एक नए युग'' को प्रदर्शित करेगा। इस अवसर पर वहां सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन भी मौजूद थे। जयशंकर बृहस्पतिवार से होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्रीस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) बैठक के लिए सिंगापुर में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन के साथ नए उच्चायोग परिसर की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में शामिल हुआ। जयशंकर ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि यह परिसर भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी के नए युग को प्रदर्शित करेगा और भारतीय समुदाय के लिए सेवाओं को और मजबूत करेगा।'' सिंगापुर की 2020 की जनगणना के अनुसार, देश की 40.4 लाख की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है। सिंगापुर में भारतीय नागरिक समेत करीब 16.4 लाख विदेशी नागरिक भी रहते हैं। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, सिंगापुर में रहने वाले भारतीयों में छात्र और वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), निर्माण तथा समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोग शामिल हैं।

सिंगापुर की चार आधिकारिक भाषाओं में से एक तमिल है। अन्य तीन आधिकारिक भाषाएं अंग्रेजी, मंदारिन चीनी और मलय हैं। इससे पहले जयशंकर और बालाकृष्णन ने दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर भी ''विस्तृत चर्चा'' की। जयशंकर ने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''कल होने वाली चौथी भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज बैठक के दौरान उनके (सिंगापुर के विदेश मंत्री के) साथ आगे भी बातचीत करने को लेकर आशान्वित हूं।'' आईएसएमआर द्विपक्षीय आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा के लिए एक अहम मंच है।

वित्त वर्ष 2024-25 में सिंगापुर भारत का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। इस अवधि में भारत ने सिंगापुर से 2120 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आयात किया, जबकि सिंगापुर को भारत का निर्यात 1440 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले 10 वर्षों में सिंगापुर का भारत में वार्षिक निवेश 1000 करोड़ से 1500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बीच रहा है।

स्पेसएक्स के रॉकेट के चंद्रमा से टकराने से बने गड्ढे की नासा ने जारी की तस्वीरें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

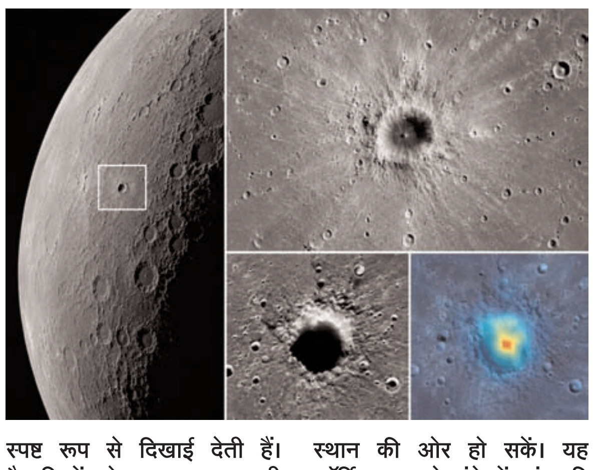

केप कैनवरल/एपी। चंद्रमा की परिक्रमा कर रहे नासा के एक अंतरिक्ष यान ने स्पेसएक्स के रॉकेट के चांद से टकराने के बाद बने गड्ढे की अब तक की सबसे स्पष्ट तस्वीरें भेजी हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगलवार को टक्कर वाले क्षेत्र की, टक्कर से पहले और बाद की तस्वीरें जारी कीं। फाल्कन रॉकेट का ऊपरी चरण पांच अगस्त को करीब 5,400 मील प्रति घंटे (8,700 किलोमीटर प्रति घंटे) की रफ्तार से चंद्रमा की सतह से टकराया था। यह एक साल से अधिक समय तक अंतरिक्ष में भटकता रहा था। इस रॉकेट ने 2025 में दो निजी चंद्र लैंडरों को प्रयोगों और एक छोटे रोवर के साथ प्रक्षेपित किया था। यह चंद्र अन्वेषण के व्यावसायीकरण की नासा की पहल का हिस्सा था।

नासा के 'लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर' से ली गई नई तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि नया बना गड्ढा करीब 60 फुट (18 मीटर) चौड़ा और 10 फुट (तीन मीटर) से कम गहरा है। गड्ढे से तितली के पंखों की तरह निकलती गहरी और हल्की धारियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, गहरी धारियां उस सामग्री को दर्शाती हैं जो सतह के करीब थी और सौर हवाओं, ब्रह्मांडीय किरणों तथा सूक्ष्म उल्कापिंडों के प्रभाव से लंबे समय में बदल गई थी। वहीं, हल्की धारियां अधिक गहराई से उछली ताजा चट्टानों और मिट्टी को दर्शाती हैं।

अंतरिक्ष यान ने टक्कर के करीब एक सप्ताह बाद 60 मील (96 किलोमीटर) की ऊंचाई से गड्ढे की तस्वीर खींची। उस समय वह करीब एक मील प्रति सेकंड की रफ्तार से चंद्रमा की परिक्रमा कर रहा था। उड़ान नियंत्रकों को अंतरिक्ष यान को झुकाना पड़ा ताकि उसके कैमरे टक्कर वाले स्थान की ओर हो सकें। यह ऑर्बिटर हर दो घंटे में चांद की ध्रुवीय कक्षा पूरी करता है, जबकि चांद उसके नीचे घूमता रहता है। टक्कर के बाद मलबे वाले स्थान के उसकी नजर में आने में छह दिन लगे।

दक्षिण कोरिया का 'दानुरी' अंतरिक्ष यान सबसे पहले घटनास्थल के पास पहुंचा और उसने तस्वीरें भेजी थीं। 'लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर' 2009 से चांद की परिक्रमा कर रहा है। यह नासा के लिए चांद की सतह को करीब से देखने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जबकि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी अंतरिक्ष यात्रियों को फिर से चांद की सतह पर भेजने की तैयारी कर रही है।

अदालत परिसरों की स्थापना 'न्याय की बढ़ती जरूरतों' को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि केरल में दो नये अदालत परिसरों की स्थापना ''न्याय की बढ़ती जरूरतों'' को पूरा करने और अदालतों को लोगों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवेश है। केरल सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपये की लागत से इरिंजालकुडा और चावक्कड़ में बनाए गए दोनों अदालत परिसरों का मंगलवार शाम सीजेआई ने डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा, मुझे बताया गया है कि जिले में लगभग 30,000 दीवानी मामले और एक लाख से अधिक आपराधिक मामले लंबित हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि जैसे-जैसे हमारा समाज विकसित और अधिक जटिल होता जा रहा है, अदालतों पर दबाव भी बढ़ रहा है। ऐसे में नए अदालत परिसर न्याय की इन बढ़ती जरूरतों से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवेश हैं। उन्होंने कहा कि नए परिसरों के जरिये अदालतों को केवल दूरी के लिहाज से ही नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधाओं और बेहतर पहुंच के माध्यम से भी लोगों के करीब लाया जा रहा है, ताकि न्याय वास्तव में उनकी पहुंच में हो। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इन परिसरों का महत्व केवल न्यायिक ढांचे में नई इमारतें जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह न्याय व्यवस्था को बड़े शहरों और महानगरों के बजाय छोटे कस्बों में रहने वाले लोगों के करीब लाने का प्रयास है। प्रधान न्यायाधीश ने परिवार अदालतों में अलग-अलग कक्षों वाले परामर्श कक्षों को भी महत्वपूर्ण बताया।

कोलकाता की इमारत में आग से मारे गए नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी

ढाका/भाषा। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में कई होटलों वाली पांच मंजिला इमारत में बुधवार को लगी आग में मरने वाले नौ लोगों में पांच बांग्लादेशी नागरिक शामिल थे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि स्थानीय पुलिस ने मृतकों में से पांच की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में की है। मंत्रालय ने बताया कि इन पांच बांग्लादेशी मृतकों में से चार एक ही परिवार के थे। 'द डेली स्टार' अखबार ने बताया, मारे गए लोगों में एक पत्रकार और उनके परिवार के तीन सदस्य शामिल थे। बयान के अनुसार, छह अन्य बांग्लादेशी नागरिक आग में घायल हो गए थे और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

गलत डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर हादसों, 'मौत के दोषी' : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि गलत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने वाले सलाहकार राजमार्गों पर दुर्घटनाओं तथा उससे होने वाली ''मौत के लिए दोषी'' हैं। उन्होंने ठेकेदारों को निर्माण गुणवत्ता से समझौता करने पर 'ब्लैकलिस्ट' करने समेत अन्य कार्रवाई की चेतावनी दी। राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग मंडल फिक्की के 'टनल्स एंड ब्रिजेस कॉन्फ्रेंस 2026' के चौथे संस्करण को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने गलत डीपीआर तैयार करने वालों को ''दोषी'' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सलाहकार गूगल की मदद से ये दस्तावेज तैयार करते हैं, जिससे जान-माल का नुकसान हो रहा है।

गडकरी ने कहा, ''डीपीआर की गुणवत्ता इतनी गलत है कि आज सड़कों पर पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की मौत होती है तथा इन सभी मामलों में गलत डीपीआर की समस्या है।'' मंत्री ने ठेकेदारों को बुनियादी ढांचा परियोजना हासिल करने के बाद निर्माण गुणवत्ता से समझौता करने के खिलाफ भी आगाह किया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शर्मिंदा सदन

अंटशंट जो बोल रहे कुछ,
नेता वो बकवादी है।
आरोपित करता दूजे को,
ज्यों वादी प्रतिवादी है।
हमने ऐसों को चुन करके,
करी वोट बरबादी है।
शर्मिंदा जो करे सदन को,
ये कैसी आजादी है??

'अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी यात्रा परामर्श की समीक्षा करेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को कहा कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर के लिए जारी यात्रा परामर्श की समीक्षा करेगा, क्योंकि केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने क्षेत्र को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाए हैं। गोर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को श्रीनगर पहुंचे। उन्होंने उमर के साथ एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा और एक बेहद खूबसूरत जगह है। गोर ने कहा, अमेरिका यात्रा से जुड़ी चेतावनियां जारी करता है और हम समय-समय पर इनकी समीक्षा भी करते हैं। मैं आज यहां कोई बड़ी घोषणा तो नहीं कर सकता, लेकिन हम इस मुद्दे पर विचार जरूर करेंगे। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि नयी दिल्ली, यहां के मुख्यमंत्री और यहां के प्रशासन ने इस क्षेत्र को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कुछ बेहतरीन कदम उठाए हैं।

गोर ने कहा, इसलिए हम इस बात पर विचार करेंगे कि क्या अमेरिका की ओर से जारी यात्रा चेतावनी के स्तर को कम किया जाना चाहिए, क्योंकि जैसा कि मैंने पहले कहा, यह एक खूबसूरत जगह है। मुझे लगता है कि बहुत से अमेरिकी जम्मू-कश्मीर आकर इसकी खूबसूरती का

दीदार करना और यहां मौजूद अवसरों के बारे में जानना पसंद करेंगे।श्रीनगर पहुंचने के तुरंत बाद गोर ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैं यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। हमारी अभी बहुत अच्छी बातचीत हुई। कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन्हें हम वाशिंगटन और नयी दिल्ली के समक्ष उठाने की उम्मीद करते हैं। यह एक बहुत ही गर्मजोशी भरी और सौहार्दपूर्ण बैठक थी। हम इस रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। गोर बृहस्पतिवार को लद्दाख का दौरा करेंगे।

उमर ने कहा कि उन्होंने गोर के साथ नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों पर चर्चा की, जिसमें जम्मू-कश्मीर पर खासतौर पर ध्यान दिया गया। उन्होंने कहा, यह एक बहुत अच्छी बैठक थी। हमें दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा करने का मौका मिला, जिसमें खासतौर पर इस बात पर ध्यान दिया गया कि अमेरिका जम्मू-कश्मीर के मामले में क्या कर सकता है। उमर ने कहा, जाहिर है, कुछ पुरानी समस्याएं हैं, जिन्हें हम समय के साथ सुलझाने की कोशिश करेंगे। लेकिन हम इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। यह बातचीत राजदूत गोर और वाशिंगटन के बीच, तथा यहां नयी दिल्ली में मेरे और केंद्र सरकार के बीच होगी। उमर ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अमेरिका और जम्मू-कश्मीर के बीच संबंध और अधिक व्यापक तथा मजबूत होंगे।

गुरु दर्शन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद, राजराजेश्वरी नगर द्वारा आयोजित युवा गुरुदर्शन यात्रा के अंतर्गत सदस्यों ने लाडनूं में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। युवाओं ने आचार्यश्री सहित युवाचार्यश्री, साध्वी प्रमुखा जी और साध्वीवर्या के दर्शन भी किए। तेयुप के अध्यक्ष सरल पटावरी के नेतृत्व में संयोजक बरूण पटावरी, मंत्री संदीप बैद व पूरी टीम ने गुरुदर्शन के अलावा खाटू श्याम मंदिर और सालासर बालाजी मंदिर के भी दर्शन किए।

कर्म चक्र से चलता है संसार : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की वाणी हमारी सुप्त चेतना को जागृत करती है। जो साधक आत्मा य को परावलम्बी से स्वावलम्बी बनाने में एक दिशासूचक प्रकाश स्तम्भ के समान हमें सही जीवन जीने का दिशा बोध प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह संसार कर्म चक्र से चलता है और कर्म चक्र यह राग, द्वेष से चलता है। हमारी सारी साधना और आराधना का यही सार है पुरुषार्थ, प्रयास होना चाहिए कि हमें इस संसार रूपी राग, द्वेष कषाय के कीचड़ से बाहर निकलना है।

साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने कहा कि जो स्वीकार करता है वही सुधार कर सकता है। पाप कार्य करने के बाद खुश नहीं होना चाहिए और पाप कार्य की कभी प्रशंसा नहीं करनी चाहिए।

संघ के उपाध्यक्ष जंयतिलाल कवाड़ ने आगुंतकों का स्वागत किया। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

आईएनसीओआईएस ने केरल-दक्षिणी तमिलनाडु के तटों से ऊंची समुद्री लहरों के टकराने की चेतावनी जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने बुधवार को केरल, दक्षिण तमिलनाडु और लक्षद्वीप द्वीपसमूह के लिए 19-20 अगस्त को ऊंची समुद्री लहरों के उठने की चेतावनी जारी की और कहा कि इससे निचले तटीय इलाकों में जलभराव हो सकता है।

एजेंसी ने मछुआरों और तट के आसपास रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। आईएनसीओआईएस ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी हिंद महासागर से उठी ऊंची समुद्री लहरें दक्षिण तमिलनाडु और केरल के तटों तक पहुंच गई हैं और तटीय क्षेत्र में उनका प्रभाव 20 अगस्त तक जारी रहने की संभावना है।

इसके परिणामस्वरूप, 19 अगस्त की शाम से 20 अगस्त की शाम तक केरल, दक्षिण तमिलनाडु और लक्षद्वीप के निचले तटीय इलाकों में ऊंची लहरों के उठने से जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

बयान में कहा गया, ''चेतावनी वाले जिलों में मछुआरों और तटीय आबादी को सतर्क रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि समुद्र के किनारे या तटवर्ती क्षेत्र में, खासकर निचले इलाकों में, रुक-रुककर ऊंची-ऊंची लहरों के प्रचंड उफान की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।'' इसमें कहा गया, ''लोगों को सलाह दी जानी चाहिए कि छोटी नौकाएं तट के पास न चलाएं। टकराव और नुकसान से बचने के लिए नौकाओं को एक-दूसरे से उचित दूरी पर खड़ा किया जा सकता है।''

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में वार्षिक मचैल माता यात्रा की पवित्र छड़ी पद्दर के लिए रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। श्री मचैल माता यात्रा की पवित्र छड़ी' हजारों श्रद्धालुओं के साथ बुधवार सुबह सरकूट स्थित गोरी शंकर मंदिर से उपमंडल पद्दर के लिए रवाना की गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले पवित्र छड़ी जम्मू के जैन बाजार से यात्रा शुरू होने के बाद डोडा होते हुए मंगलवार शाम किश्तवाड़ लायी गई थी। किश्तवाड़ की खूबसूरत पद्दर घाटी में 9,705 फुट की ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर की वार्षिक यात्रा 28 जुलाई को शुरू हुई थी और आठ सितंबर को समाप्त होगी।

अधिकारियों के मुताबिक, इस साल अब तक लाखों श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि इनमें अप्रैल में मंदिर के कपाट खुलने के बाद यात्रा की औपचारिक शुरुआत से पहले दर्शन करने वाले करीब एक लाख श्रद्धालु भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण पूरा हो जाने के बाद अब मंदिर तक पहुंचने के लिए केवल अंतिम 1.7 किलोमीटर की दूरी पैदल तय करनी होगी। उन्होंने बताया कि भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद होने से पहले मंदिर दिसंबर तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि किश्तवाड़ के उपायुक्त पंकज कुमार शर्मा की निगरानी में जिला प्रशासन ने यात्रा के सुचारू संचालन के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें सुरक्षा, परिवहन, पेयजल, चिकित्सा सहायता और किश्तवाड़ से मचैल तक रास्ते में अन्य सुविधाएं शामिल हैं। अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (किश्तवाड़) विनोद कुमार बेहल और अतिरिक्त उपायुक्त (किश्तवाड़) पवन कोटवाल सहित नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने किश्तवाड़ शहर में पवित्र छड़ी का स्वागत किया और श्रद्धापूर्वक आशीर्वाद लिया।

मोहन भागवत ने विशाखापत्तनम में आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक' का उद्घाटन किया। बैठक विशाखापत्तनम के पास गुरुलोवा स्थित 'विज्ञान विहार' स्कूल में शुरू हुई, जहां भागवत ने भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

आरएसएस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक विशाखापत्तनम के पास गुरुलोवा स्थित 'विज्ञान विहार' स्कूल में शुरू हुई। बैठक का उद्घाटन सरसंघचालक मोहन भागवत ने किया।''

यह बैठक 19 से 21 अगस्त तक होगी जिसमें जनसांख्यिकीय असंतुलन, मादक पदार्थ के मुद्दे और कई अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इनमें भागवत के अलावा सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सह-सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय पदाधिकारियों सहित संघ से प्रेरित 32 संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

असम में वन कर्मियों की सतर्कता से हाथी और ट्रेन की टक्कर टली

गुवाहाटी/भाषा। असम के होजाई जिले में बुधवार को वन कर्मियों ने रेल पटरी पार कर रहे हाथियों के एक बड़े झुंड को देखकर ट्रेन चालक को सतर्क कर दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने कहा कि वन विभाग के कर्मचारी यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं कि हाथी रेल लाइन के आरपार बने गलियारों से सुरक्षित रूप से गुजर सकें। शर्मा ने पोस्ट किया, सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने का काम जारी है। असम में रेल लाइन पार करने के लिए हाथियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले अधिकांश गलियारों पर वन विभाग के कर्मचारी उनकी सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं।

उन्होंने कहा, आज सुबह होजाई में भी ऐसा ही हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रेन के चालक को पहले ही सतर्क कर दिया गया, जिससे हाथियों की जान बचाई जा सकी। शर्मा ने वीडियो भी साझा किया, जिसमें हाथियों का झुंड रेल पटरी पार करता दिखाई दिया, जबकि ट्रेन कुछ दूरी पर रुक गई। यह घटना उच्चतम न्यायालय के उस फैसले के एक दिन बाद हुई, जिसमें कहा गया था कि कोई भी राज्य हाथियों के पारंपरिक मार्गों को बंद नहीं कर सकता और न ही वहां किसी तरह की बाधा खड़ी कर सकता है। अदालत ने कहा कि फसल या संपत्ति को होने वाले नुकसान को वन्यजीवों की आवाजाही रोकने का आधार नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को देशभर में हाथियों के गलियारों में मौजूद अवरोधों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया।

केरल में लोकभवन के पास अचानक बेहोश हुआ राहगीर, राज्यपाल आर्लेकर ने की मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बुधवार को लोक भवन के पास अचानक बेहोश होकर गिरे एक राहगीर की मदद की और उसे आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था की।

लोक भवन के एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब राज्यपाल ओणम से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए कार से अपने आधिकारिक आवास से रवाना हो रहे थे। जैसे ही लोक भवन से उनकी कार बाहर निकली, उन्होंने एक राहगीर को अचानक सड़क पर गिरकर बेहोश होते देखा। राहगीर की पहचान गिरीश के रूप में हुई।

अधिकारी ने बताया कि बाद में पता चला कि शर्करा का स्तर बढ़ने के कारण गिरीश की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्होंने बताया कि राज्यपाल बिना कोई क्षण गंवाए अपने वाहन से उतरकर तुरंत गिरीश के पास पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए गिरीश के पास ही बने रहे।

राज्यपाल के कर्मचारियों ने तुरंत पानी लाकर गिरीश को दिया और उसका चेहरा धोया। अधिकारी ने बताया कि इस बीच, गिरीश के फोन के जरिए उसके परिवार के सदस्यों से संपर्क कर उन्हें घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, परिवार के सदस्य घटनास्थल से दूर होने के कारण तुरंत मौके पर नहीं पहुंच सके। उन्होंने बताया कि इसके बाद राज्यपाल ने गिरीश को पहले अस्पताल ले जाकर उसकी स्वास्थ्य स्थिति की जांच कराने का निर्देश दिया, ताकि उसकी हालत और न बिगड़े। गिरीश वेल्लायंबलम में अलाथारा देवी मंदिर के पास रहता है। अधिकारी ने बताया कि गिरीश को अस्पताल ले जाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को एंजियोप्लास्टी के बाद एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को एंजियोप्लास्टी के बाद बुधवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एम्स द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''एंजियोप्लास्टी के बाद नड्डा को आज छुट्टी दे दी गई। उन्होंने अपनी देखभाल के लिए सभी चिकित्सकों, नर्सों और कर्मचारियों को धन्यवाद किया।''

नड्डा की 17 अगस्त को एम्स में एंजियोप्लास्टी की गई थी। नड्डा को बेचैनी महसूस होने के बाद 13 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। उसी शाम उनकी कई जांचें की गई थीं।

भावनगर में मिलावटी शराब पीने से दो लोगों की मौत, 19 लोग अस्पताल में भर्ती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भावनगर/भाषा। गुजरात के भावनगर जिले में बुधवार को कथित तौर पर मिलावटी शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई और 19 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस मामले में चार शराब तस्करों को हिरासत में लिया गया है। गुजरात 'शुष्क' राज्य है, जहां शराब के निर्माण, बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध है। भावनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि आईएमएफएल (इंडियन मेड फॉरेन लिकर) के एक ब्रांड की नकली बोतलों से शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत हुई और 19 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) नितेश पाण्डेय ने बताया कि कुछ दिन पहले खरकड़ी गांव में लोगों के एक समूह ने आईएमएफएल के एक ब्रांड की ''नकली'' बोतल से शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्होंने बताया कि बाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य को भावनगर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। नीलमबाग पुलिस थाने के निरीक्षक डीपी उदानकट ने बताया कि एक अन्य व्यक्ति की सर टी अस्पताल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई और उसकी मौत के सही कारण का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक पाण्डेय ने संवाददाताओं को बताया कि वरतेज और शहर के अन्य थाना क्षेत्रों से शराब तस्करों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, खरकड़ी गांव निवासी उपेंद्रसिंह गोहिल की सर टी अस्पताल में मौत हो गई। छह अन्य लोग सर टी और शहर के दो-तीन अन्य अस्पतालों में भर्ती हैं और उनका उपचार किया जा रहा है।

स्टेंस हत्याकांड : ओडिशा सरकार को दारा सिंह की सजा में छूट संबंधी याचिका पर फैसला लेने का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने ग्राहम स्टेंस हत्याकांड में सजायाफ्ता रवींद्र पाल उर्फ दारा सिंह की सजा में छूट संबंधी अर्जी पर फैसला लेने में देरी के लिए ओडिशा सरकार पर बुधवार को नाराजगी जाहिर की।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने ओडिशा सरकार की ओर से पेश वकील से कहा, आप जो भी फैसला लेना चाहते हैं, लीजिए। अगर आप फैसला नहीं लेते हैं, तो हम फैसला सुनाएंगे। पीठ ने कहा, हम फैसला लेने से बचने की इस तरह की कोशिश को बर्दाश्त नहीं कर सकते।

उसने कहा कि सिंह 26 साल से अधिक समय से सलाखों के पीछे है और मामले की सुनवाई बार-बार इसलिए स्थगित की गई, ताकि संबंधित प्राधिकरण को सजा में छूट के अनुरोध वाली उसकी अर्जी पर फैसला लेने का अवसर मिल सके। सिंह 1999 में ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी स्टेंस और उसके दो नाबालिग बेटों की हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

पीठ ने कहा कि 14 जुलाई को जब मामले की सुनवाई स्थगित की गई थी, तब राज्य सजा समीक्षा बोर्ड सिंह की याचिका पर फैसला लेने की प्रक्रिया में था। उसने कहा कि अब राज्य सरकार की ओर से पेश वकील ने जेल एवं सुधार सेवा निदेशालय की ओर से उन्हें लिखा एक पत्र अदालत के सामने रखा है, जिसमें कहा गया है कि क्योंझर जिला जेल से रिपोर्ट मिलना अभी बाकी है। पीठ ने कहा, हमें सजा समीक्षा बोर्ड के फैसले के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करा ले भाजपा, मेरे पास कोई जांच एजेंसी नहीं : उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि वह उनकी सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच करा सकती है। उमर ने कहा कि उनकी सरकार के पास किसी भी जांच एजेंसी का नियंत्रण नहीं है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अगर हम एक पल के लिए यह मान भी लें कि उनके आरोप सही हैं, तो भी हमारे पास ऐसी चीजों को छिपाने की ताकत नहीं है। मुझे बताएं कि कौन सी जांच एजेंसी मेरे नियंत्रण में है? एक भी नहीं।''

श्रीनगर शहर के दौरे के बाद उमर ने कहा, ''मेरे पास पुलिस का नियंत्रण नहीं है, मेरे पास अपराध शाखा नहीं है, मेरे पास भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) नहीं है, केंद्रीय एजेंसियों की तो बात ही छोड़ दें।'' मुख्यमंत्री ने यह बयान जम्मू क्षेत्र में भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ किए जा रहे प्रदर्शन से जुड़े सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी जांच एजेंसी ने यह कहा है कि भ्रष्टाचार हुआ है।

ट्रेन में हुई मारपीट के बाद सूरत स्टेशन पर पूछताछ के दौरान विदेशी नागरिक की मौत, जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। सहयात्रियों से झगड़े के बाद लंबी दूरी की ट्रेन से गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर उतारे गए एक विदेशी नागरिक की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की चौकी में पूछताछ के दौरान मौत हो गई। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जीआरपी ने उसकी मौत की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए हिरासत में हुई मौत की जांच शुरू कर दी है। जीआरपी के अनुसार, यह अज्ञात विदेशी नागरिक मुंबई के बोरीवली से गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस में सवार होकर दिल्ली जा रहा था।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभय सोनी ने बताया कि 17 अगस्त की रात गुजरात के वापी स्टेशन पर रुकने के बाद ट्रेन आगे बढ़ी, उस समय वह ट्रेन के दरवाजे पर खड़ा था जिसे लेकर सहयात्रियों ने आपत्ति जताई। इसी बात को लेकर विदेशी नागरिक की सहयात्रियों से कहा-सुनी हुई और फिर हाथापाई हो गई। एसपी के अनुसार, एक सहयात्री ने रेलवे की 139 हेल्पलाइन पर फोन कर एक विदेशी नागरिक के यात्रियों से झगड़ा करने की सूचना दी। आरोप है कि लड़ाई के दौरान विदेशी नागरिक ने सह-यात्रियों पर अग्निशामक यंत्र से स्प्रे भी किया। ट्रेन के सूरत पहुंचने पर आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने हस्तक्षेप किया और व्यक्ति को ट्रेन से उतारकर प्लेटफॉर्म स्थित आरपीएफ चौकी ले गए। सोनी ने कहा, ''पूछताछ के दौरान वह अचानक बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई।'' उन्होंने कहा, ''सहयात्रियों के साथ उसका विवाद हुआ था। सूरत में आरपीएफ और जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए उसे ट्रेन से उतारा और आरपीएफ चौकी ले गए। वहां बातचीत के दौरान वह बेहोश हो गया और उसकी मौत हो गई।'' सोनी ने कहा कि व्यक्ति की पहचान और राष्ट्रीयता का अभी पता नहीं चल पाया है। वह अफ्रीकी नागरिक हो सकता है, लेकिन पुलिस अभी इसकी पुष्टि नहीं कर रही है क्योंकि एक जैसी शारीरिक बनावट वाले लोग दूसरे देशों के भी हो सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
CHANGE OF NAME
I, S PAVITHRA, SPOUSE OF NUMBER JC 877955P RANK NB SUB NAME SHANKAR HM UNIT 11 RR (DOGRA) RESIDENT OF VILLAGE-HULIGUTTE,POST OFFICE-HALEPALYA, DISTRICT-KOLAR, STATE-KARNATAKA,PIN-563137 HAVE CHANGED MY NAME FROM S PAVITHRA (EXISTINGNAME AS PER SERVICE RECORD OF HUSBAND) TO PAVITHRA S (NEW NAME OF WIFE) VIDE AFFIDAVIT DATED 06 AUG 2026 BEFORE KOLAR COURT. OBJECTION IF ANY MAY BE CONVEYED TO THE CONCERNED AUTHORITY WITHIN SEVEN DAYS.

पुणे में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या, पड़ोसी गिरफ्तार

सरकार ने कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस में रहने वाली नौ वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार दोपहर जुन्नार तहसील के पिंपलवाड़ी गांव में हुई और 25 वर्षीय आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। वह दिहाड़ी मजदूर है। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घटना को बेहद चौंकाने वाली और ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए पुलिस को मामले की गहन जांच करने और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पवार ने कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस मामले की सुनवाई त्वरित अदालत में कराने का आग्रह करेंगी। पुणे (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि आरोपी और बच्ची एक-दूसरे को जानते थे। उन्होंने कहा कि आरोपी और बच्ची एक ही इलाके में रहते थे और एक ही समुदाय से थे। गिल ने बताया कि दोपहर में बच्ची जब घर में टीवी देख रही थी, तभी आरोपी उसके घर गया और अमरूद देने का झांसा देकर उसे अपने साथ ले गया। वह बच्ची को पास के एक खेत में ले गया, जहां कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी। शाम तक बच्ची के नहीं मिलने पर परिजनों ने उसकी तलाश की और बाद में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान इलाके के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में बच्ची आरोपी के साथ दिखाई दी। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपराध कबूल किया और पुलिस को गन्ने के खेत में घटनास्थल दिखाया। बाद में बच्ची का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। गिल ने बताया, ''मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच चल रही है।''

अमित शाह आज चेन्नई में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

चेन्नई/बेंगलूरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अगस्त को चेन्नई के निकट ममल्लापुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें दक्षिणी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। सरकार ने बुधवार को यह जानकारी दी। दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना के अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप शामिल हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि यह परिषद केंद्र और सदस्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के बीच मुद्दों और विवादों के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में काम करती है। कर्नाटक और तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु और केरल के बीच नदी जल बंटवारे से जुड़े विवाद उन मुद्दों में शामिल हैं, जिन पर लगातार चर्चा होती रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा है कि वह दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में शामिल होने के लिए गुरुवार को तमिलनाडु जाएंगे।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

बेंगलूरु। पीन्या टॉफिक पुलिस क्षेत्र के अंतर्गत फ्लाई ओवर पर खड़े एक वाहन से टक्कर हो जाने से बाइक सवार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बुधवार को अल्ल सुबह फ्लाईओवर के ऊपर एक वाहन में ईंधन खत्म हो जाने से उसे साइड में पार्क किया गया। बिना कोई लाइट के पार्क इस वाहन पर एक मोटर साइकिल सवार दर्शन (24) की टक्कर हो गई। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं एक अन्य घटना में केआर पुरम् पुलिस थाना क्षेत्र के अन्तर्गत यहां के आरपुरम मुख्य रास्ते में बाइक सवार की मौत हो गई। बाइक पर सोमशेखर और विनय जा रहे थे रास्ते में अचानक भैंस आ जाने के चलते उसे बचाने के प्रयास में दो पहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

मुख्यमंत्री ने नागेंद्र के इस्तीफे की विपक्ष की मांग को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंत्री बी. नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की विपक्ष की मांग को खारिज करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर विधानसभा की कार्यवाही बाधित कर रहे भाजपा और जद(एस) के सदस्यों का विरोध राजनीतिक अस्तित्व बचाए रखने के लिए किया जा रहा 'नाटक' है। उन्होंने नागेंद्र को दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि कथित घोटाले में नागेंद्र की कोई भूमिका नहीं है। कर्नाटक विधानसभा में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कार्यवाही बाधित हुई। विपक्ष ने सदन में विरोध प्रदर्शन करते हुए मंत्री नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। विपक्ष एक राज्य संचालित निगम में करोड़ों रुपये के गबन के आरोपों का सामना कर रहे मंत्री नागेंद्र को हटाने की मांग कर रहा है।

शिवकुमार ने मंगलवार देर रात कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, अपने अस्तित्व के संकट का सामना कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) सच्चाई जानते हुए भी यह बड़ा नाटक कर रहे हैं। हमने उनसे कहा है कि वे नोटिस दें, चर्चा करें और हमें (सरकार को) समझाएं कि नागेंद्र को क्यों हटाया जाना चाहिए। हम बताएंगे कि नागेंद्र को मंत्रिमंडल में वापस क्यों लाया गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष बिना किसी आधार के, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रहा है।

उन्होंने कहा, क्या केंद्र और अन्य राज्यों में ऐसे कई मंत्री नहीं हैं, जिनके

खिलाफ मामले दर्ज हैं? हमने नागेंद्र के खिलाफ मामलों की जांच की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले में उनकी प्रत्यक्ष भूमिका का कोई उल्लेख नहीं है। हमने भी इसकी जांच की है। कथित तौर पर गबन की गई करीब 84 करोड़ रुपये की राशि में से लगभग 79 करोड़ रुपये पहले ही बरामद किए जा चुके हैं। नागेंद्र से कुछ भी बरामद नहीं हुआ है और इस मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं थी।

नागेंद्र ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम से धन के कथित गबन के आरोपों के बाद सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली पिछली सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें तीन अगस्त को डी. के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में फिर से शामिल किया गया। वह फिलहाल योजना और सांख्यिकी मंत्री हैं। ईडी ने इस मामले में जुलाई 2024 में नागेंद्र को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसी साल अक्टूबर में बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने उन्हें जमानत दे दी थी।

बेंगलूरु के दक्षिण जिले में बिड़दी के पास 'ग्रेटर बेंगलूरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) परियोजना के लिए किसानों की जमीन अधिग्रहित किए जाने के खिलाफ जद(एस) के विरोध को लेकर शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि जब उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए कुमारस्वामी को आमंत्रित किया था, तो वह क्यों नहीं आए। उन्होंने कहा, उन्हें अपनी पार्टी से इस मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा करने के लिए कहना चाहिए।

शिवकुमार ने आरोप लगाया कि कुमारस्वामी अब इस मुद्दे पर नाटक' करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने ही शुरू में इस परियोजना के लिए जमीन का अधिग्रहण किया था और कुछ क्षेत्रों को 'रेड जोन' घोषित किया था।

लिफ्ट में फंसे दम्पत्ति को पुलिस ने सुरक्षित निकाला

बेंगलूरु। मंगलवार को एक लिफ्ट में फंसे पति पत्नी को पुलिस की सहायता से सुरक्षित बाहर निकलाया गया। जीवन बीमानगर पुलिस थाना क्षेत्र के तिप्पसान्द्रा मुख्य रास्ते में स्थित विशाल मेगा मार्ट में शॉपिंग के लिए गए एक पति पत्नी लिफ्ट में फंस गए। लिफ्ट के दरवाजे खुले नहीं। उन्होंने पुलिस को सहायता नम्बर 112 पर फोन कर जानकारी दी। पुलिस ने होयसला पुलिस को इसकी जानकारी दी और तुरन्त होयसला पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और उनकी मदद की। होयसला पुलिस ने वहां जाकर लिफ्ट टेक्निशन को बुलाकर लिफ्ट को खुलवाया और पति पत्नी को सुरक्षित बाहर निकाला।

बदमाशों ने शिकार-रोधी कई शिविरों को विस्फोट करके उड़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक में अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर विस्फोटकों का इस्तेमाल करके चामराजनगर स्थित कावेरी वन्यजीव अभयारण्य में शिकार-रोधी कई शिविरों को विस्फोट से उड़ा दिया। वन विभाग के सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। इन हमलों की घटनाएं 15 अगस्त को वन विभाग के साथ मुठभेड़ में तीन कथित शिकारियों की मौत के बाद विभाग के खिलाफ जारी आक्रोश के बीच सामने आई हैं।

सूत्रों ने बताया कि कोथनूर क्षेत्र में स्थित मिनचिनारेहल्ला शिकार-रोधी शिविर को कथित तौर पर डायनामाइट और जिलेटिन की छड़ों का इस्तेमाल करके नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना तेज था कि शिविर की दीवारें क्षतिग्रस्त हो गईं और अंदर रखा सामान जल गया।

कोथनूर क्षेत्र के कई अन्य शिकार-रोधी शिविरों- मिनचिनाहल्ली, भीमेश्वरी, ओलेमरदा हट्टी, बुडिकेरे, बंदाहल्ली और कालीदोड्डी-को भी 18 और 19 अगस्त की दरमियानी रात निशाना बनाया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा कि सरकार 15 अगस्त को तीन कथित शिकारियों की मौत की जांच के नतीजे का इंतजार करेगी, उसके बाद ही इस मामले पर कोई टिप्पणी करेगी। शिवकुमार ने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा, हम अभी इस बारे में कुछ नहीं बोलेंगे। वन अधिकारी अलग-अलग जानकारियां दे रहे हैं, लेकिन मामले की जांच जारी है। हम इसकी गहराई से जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट आने दीजिए, उसके बाद मैं इस बारे में बात करूंगा। उन्होंने कहा, हमारे वन मंत्री भी इस मामले की पहले से ही बहुत विस्तृत जांच कर रहे हैं।

मारे गए तीनों व्यक्ति (एंथनी सामी, जॉन रोज पीटर और कुमार) चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों के निवासी थे। कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में 15 अगस्त को तड़के वन विभाग के कर्मचारियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। कर्नाटक के अधिकारियों के अनुसार, वन्यजीवों के कथित शिकार की सूचना मिलने के बाद शिकार-रोधी अभियान चला रहे वन विभाग के कर्मचारियों पर एक समूह ने गोलीबारी कर दी। इसके बाद कर्मचारियों ने कथित तौर पर आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की। इस मुठभेड़ में तीनों लोगों की मौत हो गई।

राजनीतिक दलों ने दावा किया है कि मृतक तमिल थे और उन्होंने गोलीबारी की घटना को लेकर कर्नाटक के अधिकारियों द्वारा दी गई सफाई पर सवाल उठाए हैं। घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कथित हत्याओं की कड़ी निंदा की और कहा कि घटना को लेकर कर्नाटक के वन विभाग द्वारा दी गई सफाई स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने रविवार देर रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था कि इस गंभीर घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। यह मुद्दा मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा में भी उठा। सदस्यों ने वन विभाग की ओर से की गई गोलीबारी की घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पेश किया।

शिवकुमार ने पूर्व विधायक बीसी नागेश के निधन पर शोक व्यक्त किया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व भाजपा विधायक और शिक्षा मंत्री बीसी नागेश के निधन पर शोक व्यक्त किया है। सरल स्वभाव के नागेश सबके चहेते थे। वे अपने सीधे-सादे कार्यों और शब्दों के लिए जाने जाते थे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में अपनी एक अलग पहचान बनाई और लोगों से सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करते थे। विधायक और शिक्षा मंत्री के रूप में उनकी सेवाएँ अविस्मरणीय हैं। उन्हें शिक्षा क्षेत्र के सुधार और छात्रों के कल्याण की विशेष चिंता थी। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखे। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा, ईश्वर उनकी आत्मा को शाश्वत शांति प्रदान करें।

केंद्र ने कृषि मंत्री नरेंद्र स्वामी के निवेदन का दिया जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्र ने नए कृषि मंत्री नरेंद्र स्वामी की रिक्वेस्ट का जवाब दिया है। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरेंद्र स्वामी की रिक्वेस्ट पर सितंबर के पहले हफ़्ते में राज्य का दौरा करने और सूखा प्रभावित किसी भी ज़िले का दौरा करने का वादा किया है। नरेंद्र स्वामी दिल्ली गए और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले और राज्य में सूखे से पैदा हुई खेती की समस्याओं और प्रधानमंत्री फसल बीमा बीमा योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की अवधि अगस्त के आखिर तक बढ़ाने पर चर्चा की।

नरेंद्र स्वामी ने केंद्रीय कृषि मंत्री को बताया कि मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखकर प्रधानमंत्री फसल बीमा बीमा योजना के लिए रजिस्ट्रेशन की अवधि बढ़ाने की मांग की है। सलाह के दौरान, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वह न केवल कर्नाटक का दौरा करेंगे, बल्कि कर्नाटक में बारिश की कमी से पैदा हुई समस्याओं पर भी जवाब देंगे।

वाल्मीकि निगम घोटाले के जुड़ी किसी भी चर्चा का सामना करने को तैयार हूं : नागेन्द्र

बेंगलूरु। राज्य मंत्रिमंडल में फिर से शामिल किए जाने को लेकर विपक्ष के निशाने पर आए कर्नाटक के मंत्री बी. नागेंद्र ने बुधवार को उनकी बर्खास्तगी की मांग को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रही भाजपा पर पलटवार किया। नागेंद्र ने कहा कि वह कथित वाल्मीकि निगम घोटाले को लेकर किसी भी चर्चा का सामना करने के लिए तैयार हैं, जिसके कारण उन्हें पहले इस्तीफा देना पड़ा था। नागेंद्र ने जोर देकर कहा कि जांच में उनके खाते में घोटाले की धनराशि के अंतरण की पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पिछले तीन दिनों से विधानसभा के दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित कर रही है। पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान हुए करीब 89 करोड़ रुपये के कथित कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले के मामले में योजना एवं सांख्यिकी मंत्री नागेंद्र को हटाने की मांग कर रही है।

जून 2024 में निगम के लेखा अधीक्षक पी. चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद यह अनियमितताएं सामने आईं थी। उस समय नागेंद्र आदिवासी कल्याण मंत्री थे। इन आरोपों के बीच उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर हैं।नागेंद्र ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मामले की जांच की, एक भी रुपया मेरे खाते में नहीं गया। मैंने यह बात खुले तौर पर कही है...।''

उन्होंने कहा कि निगम के कोष से बिना बोर्ड की बैठक और उनकी जानकारी के 187 करोड़ रुपये अंतरित किए गए थे। इनमें से 100 करोड़ रुपये की राशि पर रोक लगा दी गई, जबकि शेष 87 करोड़ रुपये हैदराबाद के रास्ते करीब 800 बैंक खातों में भेजे गए। नागेंद्र ने कहा कि एसआईटी ने धनराशि के अंतरण का पता लगाने के लिए चौबीसों घंटे काम किया और करीब 79 करोड़ रुपये बरामद किए गए। उन्होंने कहा कि शेष राशि भी बाद में बरामद कर ली गई।

कर्नाटक एफडीए ने 4.91 करोड़ रुपये की नकली दवाइयां जब्त कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के औषधि प्रवर्तन दल ने जांच अभियान के दौरान 4.91 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की नकली दवाइयां जब्त की हैं। इस अभियान में कथित तौर पर बिना लाइसेंस के दवाइयों की दोबारा पैकिंग और उन पर नए लेबल लगाने के कारोबार का भी खुलासा हुआ है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 18 अगस्त को मिली एक सूचना के बाद कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों की एक टीम ने यह जांच की। यह कार्रवाई बेंगलूरु दक्षिण जिले के बिदादी स्थित कुरुबाकेरेना हल्ली में एक फार्महाउस में बने परिसर में की गई थी। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि इस परिसर का इस्तेमाल अन्य राज्यों से कम कीमत वाली दवाइयां मंगाने के लिए किया जा रहा था। इसके बाद इन दवाइयों को कथित तौर पर नई शीशियों में भरकर और नए लेबल लगाकर महंगी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के ब्रांड और आयातित दवाइयों जैसा दिखाया जाता था।

नकली दवाइयां ऐसी जाली या फर्जी दवाइयां होती हैं, जिन्हें असली और नामी ब्रांड की दवाइयों जैसा दिखने के लिए तैयार किया जाता है। इनका उद्देश्य खरीदारों को धोखा देकर मुनाफा कमाना होता है। विभाग के आयुक्त के. श्रीनिवास द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, इन नकली दवाइयों में कोई सक्रिय औषधीय तत्व नहीं था, उनमें गलत सामग्री अथवा हानिकारक पदार्थ मौजूद थे। इस उद्देश्य से इस्तेमाल किए गए लेबल पर दिए गए स्कैनिंग कोड भी काम नहीं कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत नकली दवाइयों से संबंधित प्रावधान धारा 17बी में दिए गए हैं। वहीं, नकली दवाइयों के निर्माण, बिक्री, भंडारण या वितरण के लिए धारा 27 के तहत कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि इस अपराध के लिए न्यूनतम 10 वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। जब्त की गई दवाइयों को बेंगलूरु दक्षिण की स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा।जब्त की गई दवाइयों में सेफियाविजेंट 2.5 इंजेक्शन की 5,640 शीशियां, हिजलैम इंजेक्शन की 1,531 शीशियां, जाविटाज इंजेक्शन की 470 शीशियां और एम्ब्लावियो की 264 शीशियां शामिल हैं। इसके अलावा समय-सीमा समाप्त हो चुकी दवाइयां, पैकेजिंग सामग्री, इंजेक्शन भरने की मशीनरी और जाली लेबल भी जब्त किए गए हैं। विभाग ने बताया कि जब्त की गई सभी सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 4,91,49,575 रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कई गंभीर उल्लंघनों का पता चला है। इनमें औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 का सीधे तौर पर उल्लंघन करते हुए बिना लाइसेंस के दवाइयों का निर्माण, भंडारण और वितरण करना शामिल है।

बेंगलूरु और बेलगावी के बीच स्पेशल ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे वरमहालक्ष्मी त्यौहार के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रेन नंबर 06551/06552 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु-बेलगावी-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल चलाएगा।

ट्रेन नंबर 06551 एसएमवीटी बेंगलूरु-बेलगावी एक्सप्रेस स्पेशल, 20 व 22 अगस्त को शाम 19:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 08:25 बजे बेलगावी पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन नंबर 06552 बेलगावी-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल, 21 और 23 अगस्त को शाम 17:30 बजे बेलगावी से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 05:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। रास्ते में, यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में चिकबानावर, तुमकुरु, अर्सिकेरे, बिरूर, दावणगेरे, हरिहर, एसएमएम हावेरी,एसएसएस

हुब्बल्ली, धारवाड़, अलनावर, लोंडा और खानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस स्पेशल ट्रेन में 19 कोच होंगे, जिनमें 10 स्लीपर क्लास कोच, 07 जनरल सेकंड क्लास कोच और 02 सेकंड क्लास-कम-सामान/दिव्यांगजन कोच शामिल होंगे।

भ्रष्टाचार को जाति का रंग देने की साज़िश न करें : विजेन्द्र

नागेंद्र का इस्तीफ़ा लें और चर्चा की इजाज़त दें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अगर राज्य सरकार में ज़रा भी इज़्ज़त है, तो उसे तुरंत नागेंद्र का इस्तीफ़ा लेना चाहिए और सूखे, केपीएससी स्कैम और दूसरे मुद्दों पर चर्चा की इजाज़त देनी चाहिए, भाजपा के राज्याध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने मांग की है। बुधवार को विधान सौधा में केंगल हनुमंतैया की मूर्ति के पास मंत्री नागेंद्र के इस्तीफ़े की मांग को लेकर एक विरोध प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता गत दो दिनों से सभी जिला मुख्यालयों में जिलाधिकारी के ऑफिस के सामने विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-जदएस ने मिलकर भ्रष्ट मंत्री नागेंद्र से छुटकारा पाने के लिए सदन के

अंदर लड़ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री को नागेंद्र को देखकर डर क्यों लगता है जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें भ्रष्टाचार को जाति का रंग देने की साज़िश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नागेंद्र को सोचना चाहिए कि क्या उन्हें पैसा कमाना है। उन्होंने मांग की कि नागेंद्र का इस्तीफ़ा लिया जाए ताकि सदन में ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा हो सके। उन्होंने कहा कि वे ऐसा कुछ न करें जिससे लोगों को रोना पड़े।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि दलितों का पैसा खजाने में आना चाहिए ताकि वे उसे अपने ऊपर खर्च कर सकें। उन्होंने कहा कि हम, भाजपा-जदएस इसके लिए लड़ रहे हैं। आप एक आदमी के लिए सदन क्यों बर्बाद कर रहे हैं? क्या कोई और दलित नहीं है? आपकी पार्टी के अभी भी 10-12 एसटी विधायक हैं। उन्होंने मांग की कि नागेंद्र का इस्तीफा लिया जाए और उन्हें अन्य विधायकों को मंत्री बनाया जाए। इस विरोध प्रदर्शन में अनेक विधायक एवं वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण
चतुर्थ तल, बंगला साहब रोड, काली मंदिर के पीछे
गोल मार्केट, नई दिल्ली - 110 001

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में अनुभाग अधिकारी के पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करने विषयक।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण तकनीकी केंद्र, बेंगलुरु में अनुभाग अधिकारी के एक पद को प्रतिनियुक्ति (बाह्य सेवा शर्तों) के आधार पर भरने हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निदेशक (एचआर), भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), आधार कॉम्प्लेक्स, एनटीआई लेआउट, तातानगर, कोडगेहल्ली, टेक्नोलॉजी सेंटर, बेंगलुरु - 560 092 को भेजे जा सकते हैं। सभी तरह से पूर्ण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 07.09.2026 है। चूंकि यह भर्ती प्रतिनियुक्ति के आधार पर की जानी है, अतः गैर-सरकारी अभ्यर्थी पात्र नहीं हैं।

आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के बाद प्राप्त हुए या अपूर्ण पाए गए आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। विस्तृत विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट : https://old.uidai.gov.in/images/VC_74_2026_Hindi.pdf पर उपलब्ध हैं।

निदेशक (मा.सं.)

आधार नामांकन और अपडेट सेवा अब आधार सेवा केंद्रों पर भी उपलब्ध है।
नज़दीकी केंद्र की जानकारी के लिए uidai.gov.in पर जाएं या 1947 पर कॉल करें।

CBC 54103/11/0082/2627

राजस्थान के 309 नगर निकायों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित

दो चरणों में होगा मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के निर्वाचन आयोग ने सभी 309 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए बुधवार को कार्यक्रम की घोषणा की। आयोग के अनुसार इन निकायों में दो चरण में चुनाव कराये जायेंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने बताया कि पहले चरण में नौ सितंबर को तथा दूसरे चरण में 11 सितंबर को मतदान होगा तथा परिणाम 14 सितंबर को आएगा।

जिन 309 नगरीय निकायों में चुनाव करवाने की घोषणा की गई है, उनमें 248 नगरपालिकाएं, 51 नगर परिषद एवं दस नगर निगम हैं। इनमें कुल 10,245 वार्ड हैं। निकाय चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही सभी 309 शहरी निकायों में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचार संहिता लागू हो गई।

राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने 'एक राज्य एक चुनाव' की अवधारणा की घोषणा की थी। राज्य के इतिहास में पहली बार सभी नगरीय निकायों में एक साथ चुनाव हो रहे हैं। सिंह ने कहा कि 27 अगस्त को चुनाव की अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार 31 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख तीन सितंबर है।

शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों का चुनाव 21 सितंबर को होगा।

नगर निगम, नगर परिषदों और नगर पालिकाओं की आम बैठकें 22 सितंबर को होंगी। इन बैठकों के दौरान उपमहापौर, उपसभापति और नगर पालिका उपाध्यक्षों के चुनाव होंगे। सिंह ने बताया कि इन 309 शहरी स्थानीय निकायों में 1.44 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। इनमें से 29 प्रतिशत मतदाता 36-50 साल की उम्र, 25.40 प्रतिशत 26-35 साल उम्र के और 14.7 प्रतिशत मतदाता 18-25 साल की उम्र के हैं। उन्होंने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों में 16,465 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे।

जयपुर में 5-6 सितंबर को ग्लोबल नर्सिंग सम्मेलन, जुटेंगे 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नर्सिंग शिक्षा को आधुनिक तकनीक, वैश्विक अनुभव और भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से जयपुर में पांच और छह सितंबर को 'ग्लोबल नर्सिंग सम्मेलन-2026' का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने बुधवार यह जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र में होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में 10 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ 1,500 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष और 5,000 से अधिक प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल होंगे।

एक संवाददाता सम्मेलन में आयोजकों ने बताया कि आरएच हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड की ओर से नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया-राजस्थान के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, आभासी वास्तविकता जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

सम्मेलन के अध्यक्ष और आरएच हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. राहुल शर्मा ने कहा '' स्वास्थ्य क्षेत्र तेजी से तकनीक आधारित हो रहा है। नर्सों एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, आभासी वास्तविकता और आधुनिक तकनीकों के साथ समय रहते जोड़ना आवश्यक है।'' उन्होंने कहा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स नर्स का विकल्प नहीं हैं। ये नर्स की चिकित्सकीय दक्षता, निर्णय क्षमता और मरीजों की देखभाल को अधिक सशक्त बनाने वाली तकनीकें हैं।

कार्यक्रम के सचिव पुरुषोत्तम कुंभज ने कहा कि सम्मेलन में नर्सिंग शिक्षा में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के साथ ही नर्सिंग क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और नीतिगत मुद्दों पर भी चर्चा होगी। छह सितंबर को होने वाला मुख्य सम्मेलन नर्सिंग क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रहेगा।

पुरुषोत्तम ने नर्सिंग क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की नियामक व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा ''संसद से संबंधित कानून पारित होने के बावजूद उसके प्रभावी क्रियान्वयन में देरी चिंता का विषय है। नर्सिंग क्षेत्र में नियामक व्यवस्था को प्रभावी बनाने और उच्च शिक्षा से जुड़ी चुनौतियों के समाधान पर भी सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।''

कुछ हिस्सों में आज से फिर बारिश होने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मौसम विभाग ने राजस्थान के कुछ हिस्सों में कल से फिर बारिश होने का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, 20 से 23 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश हो सकती है। साथ ही बाकी भागों में कमजोर बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इसी तरह बीकानेर संभाग के उत्तरी भागों व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में 20 से 22 अगस्त के दौरान हल्की मध्यम बारिश होगी। बुधवार को सुबह तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान राज्य के पश्चिमी भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहा तथा पूर्वी भाग के खेरथल तिजारा, बारां, कोटा, बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़ व सलुम्बर जिलों में कहीं कहीं पर हल्की बारिश हुई।

वस्त्र इकाइयां प्रदूषण रहित पर्यावरण की दिशा में कार्य करते हुए अपने दायित्वों को निभाएं : अरोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि राजस्थान की ब्लॉक प्रिंटिंग, हस्तशिल्प एवं वस्त्र प्रसंस्करण की विश्व स्तरीय समृद्ध परंपरा को सर्कुलर इकोनॉमी एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ जोड़कर भविष्य की प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था का आधार बनाने के लिए वस्त्र उद्योग से जुड़े उद्यमियों सहित संबंधितों को सही ढंग से अपना दायित्व निभाते हुए समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि वस्त्र इकाइयों को जीरो लिक्विड डिसचार्ज, जल परिशोधन, परिषोधित जल के उपयोग, स्लज का वैज्ञानिक निष्पादन और प्रदूषण रहित पर्यावरण की दिशा में कार्य करते हुए दायित्वों को निभाना होगा।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सर्कुलरिटी इन द टैक्सटाइल सेक्टर-बेस्ट प्रेक्टिसेज फॉर सस्टेनेबिलिटी एण्ड मॉडर्न टेक्नोलॉजिज फार सर्कुलर इकोनोमी विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। कार्यशाला का आयोजन सिंतबर में आयोजित होने वाले 10 वें वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के प्री इवेंट के रुप में किया गया है। उन्होंने कहा कि सांगानेर, बगरु, बालोतरा, पाली, बाड़मेर सहित राजस्थान की ब्लॉक प्रिंटिंग की वैश्विक पहचान है। हमें इन्हें संरक्षित व प्रोत्साहित करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के दायित्व को निभाते हुए ठोस प्रयास करने होंगे। नदियों में प्रदूषित पानी को जाने से रोकने के साथ ही वस्त्र उद्योग में कम पानी के उपयोग की तकनीक, प्रदूषित पानी के परिषोधन और परिशोधित पानी का औद्योगिक संस्थाओं में उपयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी में उत्पादन आरंभ हो गया है, उसके आसपास विकसित होने वाले पेट्रो जोन के उद्योगों की पानी की जरुरत को बालोतरा के परिशोधित पानी से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांटों की स्लज के बेहतर उपयोग सीमेंट उद्योग, ब्लॉक तैयार करने सहित अन्य संभावनाओं की तलाश की आवश्यकता प्रतिपादित की। उन्होंने कहा कि लीगेसी टैक्सटाइल क्लस्टर्स को आधुनिक अपशिष्ट जल शोधन प्रणालियों, संसाधन दक्ष तकनीकों एवं जल पुर्नचक्रण आधारित अवसंरचना से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है।

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने कहा कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा प्रदेश होने के बावजूद पानी की उपलब्धता सबसे कम है। परंपरागत वस्त्र उद्योग के प्रदूषित पानी को नदी-नालों में छोड़ने से अधिक प्रदूषण फैलता है। वस्त्र उद्योग के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अनेक लाभकारी योजनाएं संचालित है। ऐसे में उद्योगों को भी प्रदूषित पानी के परिशोधन और परिशोधित पानी के उपयोग पर ध्यान देना होगा। उन्होंने विशेषज्ञों से भी आग्रह किया कि परंपरागत वस्त्र उद्योग में पानी के उपयोग में कमी लाने, प्रदूषित पानी के परिशोधन की कम लागत की बेहतर तकनीक, पानी के जीरो लिक्विड डिसचार्ज और उद्यमियों को शिक्षित व जागरुक करने की दिशा में काम करना होगा।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव कपिल चन्द्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। सर्कुलर इकोनॉमी का मॉडल उद्योगों को संसाधनों के दक्ष उपयोग, जल संरक्षण तथा अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करने की दिशा में नई सोच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मंडल का प्रयास केवल नियमन तक सीमित नहीं है, बल्कि उद्योगों को आधुनिक तकनीकों, नड्ऊ प्रणाली, जल पुनर्चक्रण एवं प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन अपनाने के लिए तकनीकी सहयोग और क्षमता संवर्धन उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने उद्योगों से पर्यावरणीय मानकों का स्वैच्छिक एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

पीएम-कुसुम योजना ने अन्नदाता को बनाया ऊर्जादाता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों की खुशहाली के लिए बीज से बाजार तक अनेक योजनाएं संचालित की है। पीएम-किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और पीएम-कुसुम जैसी पहलों से किसानों की आय सुरक्षित हो रही है। पीएम कुसुम योजना के जरिये देश का किसान अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के लाभार्थी किसानों से संवाद करते हुए कहा कि यह योजना किसानों के लिए केवल सौर ऊर्जा योजना नहीं बल्कि अतिरिक्त आय और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। प्रदेश में पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए और सी के तहत अब तक 5 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के 2 हजार 300 से ज्यादा सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, फीडर स्तर पर स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता के आधार पर राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश के किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। वर्तमान में 26 जिलों के 3 लाख 34 हजार से अधिक किसानों को कृषि के लिए दिन में बिजली मिल रही है तथा जल्द ही प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार द्वारा प्रसारण तंत्र को मजबूत करने के लिए 400, 220 और 132 केवी के 61 ग्रिड सब स्टेशन तथा 33 केवी के 498 सब स्टेशन स्थापित किए गए हैं। वहीं, 12 हजार 400 मेगावाट ऑवर बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने की परियोजनाओं पर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। किसान सम्मान निधि की राशि 6 हजार से बढ़ाकर 9 हजार रुपये की गई है। किसानों को बिजली बिलों में 61 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुदान दिया गया है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत 1 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान सौर ऊर्जा उत्पादक किसानों से संवाद कर योजना से उनके जीवन में आए बदलाव और अनुभवों पर चर्चा की। इस अवसर पर ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नगर, अधिकारी व सौर ऊर्जा उत्पादक किसान मौजूद रहे। साथ ही जोधपुर, बीकानेर और अजमेर से भी अधिकारी एवं सौर ऊर्जा उत्पादक किसान वीसी के माध्यम से जुड़े।

राज्य सरकार द्वारा एनसीआर में वायु की गुणवत्ता को सुधरने की दिशा में किये जा रहे सफल प्रयास : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति की समीक्षा एवं प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे प्रयासों को लेकर प्रधानमंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब के मुख्य सचिवों की बैठक ली। बैठक में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की स्थिति, प्रदूषण के प्रमुख कारणों तथा प्रदूषण नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की।

बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (उ-ट्च) के अध्यक्ष राजेश वर्मा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार, राजधानी विकास विभाग की सचिव श्रीमती डी. थारा ,राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) के सदस्य सचिव एन. सरवाना कुमार प्रधानमंत्री कार्यलय से जुड़े। संबंधित राज्यों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों तथा आगामी समय में आवश्यक कदमों पर भी बैठक में चर्चा की गई। तरुण कपूर ने मानसून के बाद सड़कों पर जमा धूल की प्रभावी सफाई के लिए 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक विशेष क्लीनिंग ड्राइव चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रदूषण को नियंत्रित करने की दिशा में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के आसपास की सड़कों की उपचारित जल से धुलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग में तेजी लाने पर जोर देते हुए कहा कि यह प्रदूषण नियंत्रण से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है ईंधन की खपत को कम करने एवं प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को गति देने की दिशा में सभी राज्य इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दें ।उन्होंने निर्धारित समय सीमा तक सभी ईंधन स्टेशनों पर वाहन पंजीकरण एवं प्रमाणीकरण (त-क-छ) से एकीकृत स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (-छ्झठ) कैमरे के संचालन एवं प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण, वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी, पराली एवं बायोमास जलाने पर रोक तथा पौधारोपण जैसे उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू करने के संबंध में भी चर्चा की गई।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान की ओर से राज्य में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे समग्र प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार 'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत एनसीआर क्षेत्र में 5,268 पुराने एवं प्रदूषणकारी वाहनों के चरणबद्ध प्रतिस्थापन की दिशा में कार्य कर रही है।

सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना लटकी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की लापरवाही से चंबल पेयजल योजना का काम पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से बजट जारी कर इसका काम शुरू करवाने की मांग की है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि हिंडोली विधानसभा क्षेत्र के 285 गांवों और 286 मजरों के करीब 85 हजार लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए गत कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीकृत 900 करोड़ रुपये की चंबल पेयजल योजना पिछले छह महीने से पूरी तरह ठप पड़ी है।

उन्होंने कहा कि काम बंद होने से लगी मशीनें और उपकरण तक जंग खाने लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार यह योजना नवंबर 2024 में पूरी होनी थी, पहले वन विभाग की आपत्तियों के चलते देरी हुई, फिर भाजपा सरकार में भुगतान न मिलने से ठेकेदार ने काम की गति धीमी कर दी और अब पूरी तरह रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा बजट की कमी और सरकार की लापरवाही से परियोजना लगातार लटकी हुई है।

राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा,''भाजपा यह कब समझेगी कि योजनाएं पार्टी की नहीं, सरकार की होती हैं, जो आमजन के हित के लिए बनती हैं। हिंडोली तो सिर्फ एक उदाहरण है, भाजपा सरकार का यह 'इंतजारशास्त्र' लगभग हर क्षेत्र में फैला है, हर जिले में ऐसी अटकी परियोजनाओं की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है।'' गहलोत ने कहा कि सरकार तुरंत बजट जारी कर काम शुरू कराए, 85 हजार लोगों को और इंतजार न कराया जाए।

युवाओं के कौशल विकास और शिक्षा से रोजगार तक की राह को और मजबूत करने पर जोर : मुख्य सचिव

जयपुर। 'विकसित राजस्थान2047' के विजन के अनुरूप प्रदेश के युवाओं के कौशल विकास और शिक्षा से रोजगार तक की राह को सशक्त बनाने के लिए यूनिसेफ (यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेन्स फंड) के साथ जारी सहयोग को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने की संभावनाओं पर बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की और यूनिसेफ के जनरेशन अनलिमिटेड की सीईओ डॉ. नादी अल्बिनो के बीच बैठक आयोजित की गई । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राज्य में यूनिसेफ द्वारा संचालित कार्यक्रमों में बेहतर वैल्यू एडिशन, क्षमता संवर्धन और दीर्घकालिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि इन कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी बनाते हुए युवाओं के लिए कौशल, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों का विस्तार किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि युवाओं के विकास से जुड़े यूनिसेफ द्वारा संचालित कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए ठोस विस्तार रणनीति तैयार की जाए। युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार अवसरों को एकीकृत करने, लक्षित समूहों की आवश्यकता के अनुरूप कार्यक्रम तैयार करने तथा कस्टमाइज्ड ब्रांडिंग पर कार्य किया जाए। उन्होंने इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त वित्तीय पैकेज तैयार करने पर भी जोर दिया।

सरकारी कैंसर इंजेक्शन की अवैध बिक्री के मामले में मंत्री खींवसर सख्त, तथ्यात्मक जांच के निर्देश

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बीकानेर के सरकारी कैंसर अस्पताल के लिए आरएमएससीएल के माध्यम से भेजे गए कैंसर इंजेक्शन के दिल्ली में कथित रूप से अवैध बिक्री के मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे प्रकरण की तथ्यात्मक जांच के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली महंगी जीवनरक्षक दवाओं की किसी भी स्तर पर कालाबाजारी या अनाधिकृत बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने आरएमएससीएल एवं संबंधित अधिकारियों से दवा की पूरी सप्लाई चेन, स्टॉक रजिस्टर, इंडेंट, डिस्पैच एवं अस्पताल स्तर पर वितरण का रिकॉर्ड तत्काल जांचने के निर्देश दिए हैं। खींवसर ने कहा कि यदि जांच में सरकारी दवा की आपूर्ति में किसी स्तर पर अनियमितता, लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली महंगी दवाओं की उपलब्धता और उनके सुरक्षित उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। इस मामले में भी जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भू-उपयोग परिवर्तन की निर्णय अवधि में 92 प्रतिशत की कमी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में डी-रेगुलेशन फेज-ख के तहत व्यवसाय और निवेश से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए किए जा रहे सुधारों के निरंतर सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्य सचिव कार्यालय के तहत प्रदेश में डी-रेगुलेशन फेज-ख की प्रगति की मॉनिटरिंग के लिए गठित सेल द्वारा जारी जुलाई माह की रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जुलाई 2026 के दौरान प्रदेश में लगभग 2.37 लाख करोड़ रुपये के निवेश आशय प्राप्त हुए हैं। वहीं राज निवेश पोर्टल पर आवेदनों की संख्या में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई है और प्रमुख व्यावसायिक सेवाओं के निस्तारण में लगने वाला समय भी उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा व्यवसाय से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने, नियामकीय एवं अनुपालन भार कम करने तथा निवेश संबंधी स्वीकृतियों में तेजी लाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। इन सुधारों से निवेशकों को विभिन्न स्वीकृतियां और सेवाएं कम समय में उपलब्ध कराने में मदद मिली है। साथ ही ये सुधार विकसित राजस्थान2047 और विकसित भारत2047 के विजन के अनुरूप प्रदेश को अग्रणी निवेश गंतव्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

डी-रेगुलेशन फेज-ख की जुलाई 2026 की मासिक इम्पैक्ट असेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जुलाई के दौरान राज निवेश पोर्टल पर 40 हजार 692 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 21 हजार 899 आवेदनों को स्वीकृति दी गई। केवल जुलाई माह में 10 हजार 675 आवेदन प्राप्त हुए। पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन सेवाओं की संख्या भी 181 से बढ़कर 190 हो गई है।

सरकार ने युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, हमें एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप' तैयार करना है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुआ मंथन

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर युवाओं का भविष्य बर्बाद करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस को भविष्य की तैयारी के लिहाज से युवाओं के लिए स्पष्ट, व्यापक और समयबद्ध एजुकेशन-टू-एम्प्लॉयमेंट रोडमैप'' तैयार करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में दिए अपने अध्यक्षीय भाषण में राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मामले में मौन हैं।

खरगे ने कहा कि केवल कुछ लोगों को जेल भेज देने से मामला समाप्त नहीं होगा और प्रधानमंत्री को इस विषय पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और युवा देश का भविष्य हैं, लेकिन सरकार की ''गलत नीतियों'' ने उन्हें हताशा के ''दलदल'' में धकेल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सांप्रदायिक उन्माद और ''रेवड़ी कल्चर'' की होड़ में युवाओं की शिक्षा और रोजगार की सबसे अधिक उपेक्षा हुई है। उन्होंने कहा, ''पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार ने युवाओं के भविष्य को तबाह कर दिया है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों के कब्जा हो गया है। उन्होंने कहा कि पढ़-लिखकर नौकरी की तलाश में निकलने वाले युवाओं को पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में कथित घोटालों और नियुक्तियों में देरी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक असर गरीब और कमजोर तबकों के छात्रों पर पड़ता है। खरगे ने कहा, ''युवाओं में उभरा रोष कोई ''एक दिन का'' नहीं है और सरकार के पास उनकी बातें सुनने की फुर्सत कभी नहीं रही। सरकार समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय हर बार अस्थायी उपाय तलाशती रही, जिसके कारण युवाओं को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा।'' उनका कहना था कि कांग्रेस ने युवाओं की समस्याओं को अपने एजेंडे में शामिल किया है और राहुल गांधी ने ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम के माध्यम से उनकी आवाज को राष्ट्रीय पटल पर रखा है। खरगे ने हालिया मानसून सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में कांग्रेस ने शिक्षा और परीक्षाओं के मुद्दे पर व्यापक चर्चा तथा छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बहस और जवाबदेही तय करने का प्रयास किया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पूरे मानसून सत्र में सवालों से बचते रहे।

सीएएस को बदनाम करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटा जाएगा : सेबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को आगाह किया कि समापन नीलामी सत्र (सीएएस) यानी बाजार बंद होने के बाद शेयर के अंतिम भाव तय करने की ''व्यवस्था को बदनाम'' करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ पूंजी बाजार नियामक सख्ती से कार्रवाई करेगा।

सीएएस को तीन अगस्त को लागू किए जाने के बाद बाजार भागीदारों की ओर से जताई गई विभिन्न चिंताओं के बीच पांडेय ने कहा कि सीएएस में हेरफेर पकड़ने की सेबी की क्षमता उस पुरानी मात्रा भारांश औसत कीमत (वीडब्ल्यूएपी) प्रणाली की तुलना में अधिक है, जिसकी जगह इसे लागू किया गया है। पांडेय ने यहां उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा, हम सीएएस में हेरफेर को अपेक्षाकृत आसानी से पकड़ सकते हैं। सीएएस पारदर्शिता के लिए है। अगर किसी को लगता है कि वे नई प्रणाली को बदनाम करने के लिए सीएएस में हेरफेर करेंगे, तो वे मुसीबत में पड़ेंगे।

तेजस्वी यादव हिरासत में, नीट विरोधी प्रदर्शन में पुलिस कार्रवाई के खिलाफ निकाल रहे थे मार्च

पटना/भाषा। बिहार में नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में हालिया पुलिस कार्रवाई के खिलाफ बुधवार को मार्च निकाल रहे राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को पटना में हिरासत में ले लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा ने यह जानकारी दी। यादव को आयकर चौराहे के पास पुलिस वाहन में ले जाया गया। पुलिस वाहन में बैठाए जाने के दौरान यादव ने आरोप लगाया, सरकार छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लगातार लीक हो रहे हैं। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव के नेतृत्व में राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिन में यहां जेपी गोलंबर से लोक भवन के लिए विरोध मार्च निकाला। मार्च के रास्ते में लगाए गए बैरिकेड को पार करने की कोशिश कर रहे राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने पानी की बौछार भी की। इस दौरान यादव भी मौजूद थे।

राजद सांसद मनोज झा ने 'पीटीआई-भाषा' वीडियो से कहा, ''जेन जी की भावनाओं को समझना जरूरी है। बिहार में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ सरकार ने एके-47 राइफलों का इस्तेमाल किया और दिल्ली में ईमानदार एवं पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की मांग करने पर उनके खिलाफ पैलेट गन और कील लगे डंडों का इस्तेमाल किया गया।'' उन्होंने कहा, ''हम यह मार्च इन सभी पहलुओं को बिहार के राज्यपाल के संज्ञान में लाने के लिए निकाल रहे हैं।''

पंजाब चुनाव को लेकर हुई मेरी गिर तारी, यह राजनीति है : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने बुधवार को कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) द्वारा की गई उनकी गिरफ्तारी का संबंध आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से है और इसे उन्होंने ''राजनीति'' करार दिया। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि जैन और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदित प्रकाश राय समेत छह लोगों को डीजेबी की सीवर शोधन संयंत्र परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार के मामले में एसीबी ने गिरफ्तार किया है। जैन 'आप' के पंजाब मामलों के सह-प्रभारी भी हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ले जाते समय उन्होंने कहा, ''यह सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि पंजाब चुनाव आने वाला है... यह राजनीति है।'' एसीबी के बयान के अनुसार, गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में डीजेबी के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव और नागेंद्र यादव, राजा कुमार कुर्रा तथा पंकज वर्मा शामिल हैं। यह मामला 11 मई 2024 को सतर्कता निदेशालय की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायत में डीजेबी के सीवर शोधन संयंत्रों के विस्तार और उन्नयन से संबंधित निविदा प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं, निविदा शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

एसीबी के अनुसार, जांच में सामने आया कि निविदा प्रक्रिया में कथित तौर पर ऐसी तकनीकी विशिष्टताएं और शर्तें रखी गई थीं, जो एक विशेष तकनीक प्रदाता कंपनी 'यूरोटेक एन्वायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड' के पक्ष में थीं। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और निजी कंपनी को अनुचित लाभ मिला।

बसपा प्रमुख मायावती ने उप्र विधानसभा चुनाव के लिए सतीश मिश्र को दी अहम जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि 202% के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियां जारी हैं।

उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण समाज को भी बसपा से खासतौर से जोड़ने का इरादा जाहिर करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्र को अहम जिम्मेदारी देने का ऐलान किया। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर बसपा के जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के साथ-साथ पार्टी उम्मीदवारों के चयन व उनके नामों की पार्टी के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों में घोषणा करने की प्रक्रिया जारी है, जिसे लेकर विरोधी पार्टियों में काफी बेचैनी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज के सभी वर्गों खासकर ब्राह्मण समाज को पार्टी में उनकी भूमिका और बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तैयारी के साथ साथ पार्टी के उम्मीदवारों के चयन और विधानसभा स्तर के कार्यकर्ता सम्मेलनों में उनके नामों की घोषणा की प्रक्रिया जारी है।''

उन्होंने कहा, ''पार्टी ने जब से यह प्रक्रिया शुरू की है तब से विरोधी पार्टियों में इसे लेकर चर्चा व चिंताएं दोनों होना स्पष्ट हैं। इनके हथकंडों से बहुजन समाज के लोगों को लगातार सजग व सतर्क रहने की जरूरत है।'' मायावती ने पोस्ट में आगे कहा कि इसी सिलसिले में बसपा के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मंत्री सतीश चंद्र मिश्र को पार्टी द्वारा 'कानूनी और मीडिया' के साथ-साथ अब निर्वाचन आयोग संबंधी कार्यों की भी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी सौंपी गयी है और खासकर आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान कई मायने में उनकी अहम भूमिका रहेगी। मायावती ने यह निर्णय पिछले हफ्ते सतीश चंद्र मिश्र के रिश्तेदार पूर्व मंत्री अनन्त मिश्र उर्फ अंटू मिश्र को पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्तता के आरोप में दल से निष्कासित किये जाने के बाद लिया है। मायावती की पार्टी ने वर्ष 2007 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पहली बार स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनायी थी और उस समय पार्टी की कामयाबी का श्रेय दल की 'सोशल इंजीनियरिंग' को दिया था।

उप्र की मुस्लिम, हिंदू राजपूत, गुर्जर समीकरण वाली 100 विधानसभा सीट पर रहेगी नजर : बासित अली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक मोर्चे के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा है कि वह पूरे देश और खासकर निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव से गुजरने जा रहे उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में 'हकीकत' को सामने रखकर मुसलमानों की भाजपा से दूरी को खत्म करने की कोशिश करेंगे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के रहने वाले अली ने कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी अहम विधानसभा चुनाव में उनका खास ध्यान मुस्लिम और हिंदू राजपूत, गुर्जर, जाट और त्यागी मतदाताओं के दबदबे वाली 100 विधानसभा सीट पर रहेगा। अली ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि देश के विभिन्न राज्यों के मुद्दे और राजनीतिक समीकरण अलग-अलग हैं, लिहाजा वह तमाम राज्यों के भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के अध्यक्षों के साथ बड़ी बैठक करके भविष्य की रणनीति बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि शुरुआत में उनका पूरा ध्यान उन राज्यों में मुस्लिम समाज को भाजपा से जोड़ने पर होगा जहां निकट भविष्य में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राजपूत समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अली ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह मुस्लिम और हिंदू राजपूत, गुर्जर, जाट और त्यागी समुदाय के मतदाताओं के दबदबे वाली 100 विधानसभा सीट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुस्लिम राजपूतों का इलाका उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और मध्य प्रदेश से सटा हुआ है और जहां-जहां हिंदू राजपूत हैं वहां मुस्लिम राजपूत की भी खासी आबादी है। अली ने कहा कि मुस्लिम गुर्जर, मुस्लिम जाट और मुस्लिम त्यागी मूलत: खेती किसानी से जुड़े हैं और अपनी जमीन से प्यार करते हैं और उनका समन्वय सभी बिरादरियों से आसानी से बन जाता है लिहाजा दोनों ही धर्मों में इन बिरादरियों से ताल्लुक रखने वाले मतदाताओं का समीकरण उप्र की 100 विधानसभा सीट पर असर डालता है।

सरकार आजम खान को प्रताड़ित कर रही है : राय

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने बुधवार को धनशोधन मामले की जांच के तहत राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट और विश्वविद्यालय से संबंधित परिसरों पर बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही छापेमारी का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि सरकार पूर्व मंत्री को प्रताड़ित कर रही है। 'बलिया बलिदान दिवस' के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मिलित होने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राय ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर संवाददाताओं से बातचीत में ईडी की कार्रवाई का जिक्र होने पर कहा, ''आजम खान को सरकार प्रताड़ित कर रही है।'' उन्होंने कहा कि सरकार आजम खान को लगातार परेशान कर रही है और ईडी के छापे उन्हें तंग करने के लिये ही हैं। इस बीच, उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने ईडी की कार्रवाई का बचाव करते हुए कहा कि जौहर विश्वविद्यालय बनाने में किये गये भ्रष्टाचार की परतें अब खुल रही हैं। उन्होंने सपा नेताओं पर वक्फ संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा करने का भी आरोप लगाया है। अंसारी ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, ''जब आप बबूल का पेड़ बोयेंगे तो मीठे फल नहीं आएंगे। यह कहावत चरितार्थ हो रही है।''

केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के साथ हूं, सरकार पर दबाव बनाएंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासियों का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि वह इस संघर्ष में उनके साथ हैं और मौके पर पहुंचकर सरकार पर दबाव बनाएंगे। राहुल गांधी ने परियोजना से प्रभावित आदिवासियों के एक समूह से हुई हालिया मुलाकात का वीडियो बुधवार को 'एक्स' पर जारी किया।

उन्होंने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के खिलाफ सत्याग्रह कर रहे आदिवासी समुदाय के लोगों की समस्याएं, मांगें, संघर्ष और आपबीती उनकी जुबानी सामने आई हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, वर्षों से सिर्फ अपने अधिकारों के लिए अन्याय और अत्याचार सह रहे ये बुंदेलखंड निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। आदिवासी भाई-बहनों की इस लड़ाई में, मैं और कांग्रेस उनके साथ हैं। आदिवासियों के एक प्रतिनिधि ने दावा किया कि परियोजना के कारण आदिवासी बहुल 21 गांव प्रभावित होंगे और करीब 46 लाख पेड़ों तथा पन्ना बाघ अभयारण्य पर भी असर पड़ेगा। प्रतिनिधि के अनुसार, परियोजना के तहत करीब सात हजार परिवारों की 11,500 एकड़ भूमि जा रही है। उन्होंने राहुल गांधी से संसद में, प्रशासन की ओर से कथित तौर पर किए जा रहे उत्पीड़न का मुद्दा उठाने और आंदोलन में शामिल होने का आग्रह किया। वीडियो में राहुल गांधी ने कहा कि वह मौके पर जाएंगे और सरकार पर दबाव बनाएंगे।

केन-बेतवा लिंक परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है, जो 'नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान' के तहत शुरू की गई है। इसका उद्देश्य केन नदी के अतिरिक्त पानी को बेतवा नदी में पहुंचाना है, ताकि मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के सूखा प्रभावित बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई और पीने के पानी की सुविधा दी जा सके।

प. बंगाल सरकार ने जमीन हड़पने के मामले में अभिषेक बनर्जी के सहयोगी से हिरासत में पूछताछ की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय सालबोनी जमीन हड़पने के मामले की जारी जांच में कथित तौर पर सहयोग नहीं कर रहे हैं और पुलिस को उनसे हिरासत में पूछताछ करने की जरूरत है। शीर्ष अदालत ने छह अगस्त को जमीन हड़पने के मामले में रॉय की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। हालांकि, अदालत ने उन्हें जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तीन अगस्त को सरकारी जमीन से जुड़े कथित धोखाधड़ी के मामले में रॉय की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसकी जांच पुलिस कर रही है। राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ से आग्रह किया कि रॉय को गिरफ्तारी से मिली सुरक्षा वापस ले ली जाए क्योंकि वह कथित तौर पर पुलिस के साथ सहयोग नहीं कर रहे हैं और सवालों से बच रहे हैं।

रॉय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि उनके मुवक्किल अदालत के निर्देश के अनुसार पुलिस के समक्ष पेश हो रहे हैं और संविधान उन्हें कुछ न कहने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति बागची ने कहा, संविधान (जांच एजेंसी के) गिरफ्तारी के अधिकार को भी सुरक्षित करता है। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ को पुलिस द्वारा अब तक इकट्ठा की गई सामग्री भी सीलबंद लिफाफे में सौंपी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की सीलबंद लिफाफे में मिली रिपोर्ट देखने के बाद ही इस मामले की सुनवाई होगी।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में रॉय की गिरफ्तारी पर रोक लगाने संबंधी अपने छह अगस्त के आदेश की अवधि बढ़ा दी। मामला धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी, जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। पीठ ने रॉय को गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करते हुए उन्हें जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था।

अदालत ने आदेश में कहा था, ''उनके साथ कोई वकील या कोई अन्य व्यक्ति नहीं होना चाहिए। वह सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक किसी भी जांच के लिए उपलब्ध रहेंगे जिसमें उन्हें समय समय पर विराम भी मिलेगा। हालांकि, उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी रहेगी।''

उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की पीठ ने इस मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। रॉय के वकील ने दलील दी थी कि प्राथमिकी में उनका नाम नहीं था और जांच के दौरान ही उनकी कथित संलिप्तता सामने आई थी।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा उत्तर प्रदेश में नए संयंत्र में 2,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मशीनरी एवं निर्माण उपकरण कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड उत्तर प्रदेश के यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि औद्योगिक क्षेत्र यीडा में गौतम बुद्ध नगर के सेक्टर-10 स्थित 154 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित यह संयंत्र उसकी प्रवर्तक कंपनी कुबोटा समूह की सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई में से एक होगा।

एस्कॉर्ट्स कुबोटा के अनुसार, संयंत्र का विकास चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा और इसमें कुल अनुमानित निवेश 2,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा। यहां ट्रैक्टर,

कृषि उपकरण, निर्माण उपकरण और इंजन का विनिर्माण किया जाएगा। संयंत्र घरेलू के साथ-साथ वैश्विक बाजारों की मांग भी पूरी करेगा। कंपनी ने कहा कि पहले चरण में सालाना 60,000 ट्रैक्टर और 15,000 निर्माण उपकरण इकाइयों तक उत्पादन क्षमता विकसित की जाएगी।

कुबोटा कॉरपोरेशन के अध्यक्ष, प्रतिनिधि निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शिंगो हानादा ने कहा, भारत दुनिया के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते ट्रैक्टर बाजार में से एक है तथा वर्ष 2030 के लिए कुबोटा की वृद्धि रणनीति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक निखिल नंदा ने कहा कि एस्कॉर्ट्स की शुरुआत 1944 में इस भरोसे के साथ हुई थी कि भारतीय किसानों और निर्माण क्षेत्र से जुड़े लोगों को दुनिया में कहीं भी उपलब्ध गुणवत्ता के अनुरूप मशीनरी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की अपनी विनिर्माण क्षमता में किए गए सबसे बड़े निवेश में से एक है और उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

सुविचार

धैर्य सफलता की कुंजी है। जल्दबाजी नुकसान पहुंचाती है। सही समय का इंतजार करें, लगातार प्रयास करें, फल अवश्य मिलेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत की चुनाव प्रणाली से सीखे अमेरिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय चुनाव प्रणाली की शक्ति और सामर्थ्य को खुलकर स्वीकार किया है। इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश में चुनाव कराना कोई मामूली बात नहीं है। कई देशों की कुल आबादी से ज्यादा लोग तो भारत में एक दिन में मतदान कर देते हैं। अमेरिका, जो आधुनिक तकनीक और संसाधनों के मामले में महाशक्ति माना जाता है, का प्रशासन अपने 23 करोड़ मतदाताओं तक पहुंचते-पहुंचते हांफने लगता है, जबकि भारत इससे लगभग 4.2 गुना मतदाताओं के लिए पूरी व्यवस्था करता है। यहां चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है। ट्रंप यह जानकर हैरान हैं कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने वोट डाले थे! यही नहीं, हर मतदाता के पास फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र है। ट्रंप को और भी हैरानी होगी, अगर उन्हें पता चले कि भारत में नब्बे के दशक की शुरुआत में ही फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र आ गए थे। इस दस्तावेज तक सभी मतदाताओं की आसान पहुंच है। अमेरिका में अभी तक ऐसा नहीं हुआ है। भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में हजारों उम्मीदवार खड़े होते हैं। उनका पूरा रिकॉर्ड रखने, मतदान के लिए इंतजाम करने, मतगणना करने और नतीजे घोषित करने तक लाखों कर्मचारी बहुत मेहनत करते हैं। ईवीएम का इस्तेमाल भारत की वैज्ञानिक काबिलियत का एक और प्रमाण है, जिसने चुनाव प्रक्रिया का सरलीकरण किया है। पहले, मतपत्रों की छपाई में करोड़ों रुपए खर्च होते थे। मतदान के दौरान कई विवाद भी होते थे, जो मतगणना तक पीछा नहीं छोड़ते थे। ऐसे मामले अदालतों में चले जाते थे, जिन्हें सुलझाना काफी मुश्किल होता था। ईवीएम ने ऐसी कई समस्याएं खत्म कर दीं। अब हर वोट का हिसाब रखना आसान हो गया है।

भारत में वीवीपीएटी व्यवस्था मतदाता को अपने मत की कागजी पुष्टि देखने का अवसर देती है। कितने 'विकसित' देशों में ऐसी व्यवस्था है? अमेरिका में चुनावों के अधिकांश नियमों के निर्माण और उनका पालन कराने की जिम्मेदारी राज्यों एवं स्थानीय प्रशासन के पास है। वहां मतदाता पंजीकरण, पहचान सत्यापन, डाक मतदान और मतदान की अन्य प्रक्रियाओं में कई जटिलताएं हैं। भारत में जब चुनाव होते हैं तो लोकतांत्रिक मशीनरी एक साझा नियम-पुस्तिका के तहत चलती है। यहां सभी राज्यों में मतदाता पहचान पत्र को मान्य दस्तावेज समझा जाता है। अमेरिका के कई राज्यों में पहचान सत्यापन के तौर-तरीकों में अंतर देखने को मिलता है। उसके लिए एक कथन सुनने को मिलता है- '50 राज्य और 50 तरह की चुनाव व्यवस्थाएं!' अमेरिकी प्रणाली विकेंद्रीकरण पर जोर देती है, जो कई बार उसकी कमजोरी बन जाती है। मौजूदा हालात में ट्रंप की यह मांग प्रासंगिक है कि मतदाता पंजीकरण के समय नागरिकता का प्रमाण और मतदान के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किया जाए। वे चुनावों में धांधली के आरोप लगा चुके हैं। वहां बड़ा सवाल यही है कि मतदाता की पहचान कैसे सत्यापित की जाए? जबकि भारत इस समस्या का दशकों पहले समाधान कर चुका है। अमेरिका को भारत के अनुभवों से सीखते हुए अपनी चुनाव प्रणाली को बेहतर बनाना चाहिए। उसे अपने हर मतदाता का फोटो युक्त मतदाता पहचान पत्र जरूर बनाना चाहिए। मतदाताओं का पंजीकरण करने, मतदाता सूची को निरंतर अद्यतन करने, सूची का रखरखाव करने की प्रक्रिया एक जैसी रखनी चाहिए। अपात्र लोगों के नाम हटाकर मतदाता सूची को शुद्ध करना जरूरी है। अगर ट्रंप भारत की चुनाव प्रणाली में अपने देश के लिए कोई सबक देखते हैं तो यह स्वागत-योग्य है। एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने और मतदाताओं के विश्वास को मजबूत करने से लोकतंत्र मजबूत होता है।

ट्वीटर टॉक

मोदी सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी दिशा में आज केंद्रीय कैबिनेट ने 3,590.73 करोड़ की लागत से छक-22 के 82.578 किमी लंबे मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा खंड को 4-लेन करने की मंजूरी दी।

-अमित शाह

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर आज मुझे कोटा और इटावा के सुल्तानपुर की माताओं, बहनों और वहां के निवासियों से बातचीत करने का मौका मिला। इस दौरान, इलाके के निवासियों को कई विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया।

-ओम बिरला

श्रीगंगानगर के पदमपुर और घड़साना से आ रही तस्वीरें सिर्फ़ एक ज़िले की कहानी नहीं हैं, बल्कि पूरे राजस्थान के लिए एक चेतावनी हैं। यहां नहरों में समय पर पानी न पहुंचने की वजह से किसान अपनी ही मूंग की फ़सल खेतों में जोतने को मजबूर हैं।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

उजाले के दीप

गुजरात के कांति और शांतिशाह जुड़वां भाई थे। दोनों की दृष्टि कमजोर थी। किशोरवय में दोनों भाइयों की नेत्रज्योति जाती रही। उनके बड़े सहोदर ने दोनों को वडोदरा स्थित नेत्रहीनों के स्कूल में ब्रेल लिपि सीखने की सलाह दी। उसके बाद वे दोनों बंबई के वर्ली इलाके में स्थित डुग्गन ब्रेल प्रेस के अहाते में रहने लगे। पहले उन्होंने ब्रेल पुस्तकों का एक चल पुस्तकालय स्थापित किया, उसके बाद सन 1947 में उन्होंने 'दीपक' नाम से एक ब्रेल पत्र का प्रकाशन शुरू किया। वे ऐसे पहले प्रकाशक थे जिन्होंने भारत के नेत्रहीनों के लिए ब्रेल पत्र छापने का काम किया। उनके मिशन से प्रभावित होकर न्यूयार्क की एक धर्मार्थ फाउंडेशन ने उन्हें एक डुप्लीकेटर भेंट किया। फिर 'दीपक' गुजराती के साथ हिंदी में भी निकलने लगा। उन्होंने अनेक पुस्तकों का ब्रेल में रूपांतरण किया। सन 1958 में उन्होंने ब्रेल प्रेस एसोसिएशन की स्थापना की, जिसमें सारा काम नेत्रहीन ही करते थे। नेत्रहीनों में साहित्य व शिक्षा के प्रसार हेतु उनको अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया। उनके काम पर एक फिल्म भी दूरदर्शन पर प्रसारित की गई।

सामयिक

देश की सियासत पर अपराधी आचरण हावी

बाल मुकुंद ओझा
मोबाइल : 9414441218

सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत एक ताज़ा रिपोर्ट का अवलोकन करें तो पाएंगे देश की राजनीति पर आज भी अपराधी आचरण वाले लोगों का कब्ज़ा बदस्तूर जारी है। देश की सर्वोच्च अदालत में पेश की गई रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा और राज्यसभा के 776 सदस्यों में 326 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं। इनमें 210 गंभीर मामले हैं। रिपोर्ट में 14 मुख्यमंत्रियों द्वारा भी आपराधिक मामले घोषित करने की जानकारी दी गई है। सांसद विधायकों के 4192 मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में सीनियर वकील विजय हंसारिया ने रिपोर्ट पेश की है। हंसारिया को इस मामले में कोर्ट सलाहकार बनाया गया है। देश की सियासत में नेताओं और अपराध का चोली-दामन का साथ रहा है। देश की सियासत में अपराधिक प्रवृति वाले लोगों का आना जाना जारी है। ये पहले अपराध की दुनिया में सिक्का जमाते हैं फिर पार्षद, विधायक लेकर सांसद तक निर्वाचित हो जाते हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर राजनीति में अपराधियों की हिस्सेदारी कहां तक पहुंच चुकी है। देश में ऐसी कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं, जो पूरी तरह से दागी मुक्त हो।

यानी उनके किसी भी एक नेता पर अपराध के मामले दर्ज नहीं हों। पिछले 79 सालों में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और जिस तरह देश में आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति में शुचिता को लेकर ऊपरी तौर पर सभी सियासी दल सहमत है मगर व्यवहार में उनकी कथनी और करनी में भारी अंतर है। लगभग सभी दल चुनाव जीतने के लिए ऐसे उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारते है जो

आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेताओं और सियासी पार्टियों के नापाक गठजोड़ से जनता जनार्दन को जागरूक होने की जरुरत है। अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर राजनैतिक दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है। भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। हालात यहाँ तक पहुँच गए है कि पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है।

बाहुबली होने के साथ आपराधिक आचरण वाले है। नेताओं के खिलाफ अदालती मुकदमें कोई नयी बात नहीं है। आजादी के बाद से ही नेताओं को विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में ऐसे मामलों में यकायक ही तेजी आयी। दर्ज मुकदमों में हत्या, हत्या के प्रयास, सरकारी धन का दुरुपयोग, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे गंभीर प्रकृति के मुकदमें भी शामिल है। वर्षों से इन मुकदमों का फैसला नहीं होने से हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली पर सवाल उठते रहे है। लम्बे मुकदमें चलने से सबूत मिलने में काफी परेशानी होती है और अंततोगत्वा आरोपी बरी हो जाते है। सुप्रीम अदालत यदि ऐसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए कोई सख्त कदम उठाये तो पीड़ितों को न्याय मिल पायेगा।

पिछले सालों में देश में जिस तरह हमारी राजनीति का अपराधीकरण हुआ है और आपराधिक तत्वों की ताकत बढ़ी है, वह जनतंत्र में हमारी आस्था को कमजोर बनाने वाली बात है। राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को शह देना, जनता द्वारा वोट देकर उन्हें स्वीकृति और सम्मान देना और फिर कानूनी प्रक्रिया की कछुआ चाल, यह सब मिलकर हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था और जनतंत्र के प्रति हमारी निष्ठा, दोनों, को सवालों के घेरे में खड़ा कर देते हैं। राजनीति के अपराधीकरण पर हो रही चर्चाओं में पक्ष और विपक्ष के अलग अलग गुट बन जाते है जो इस नापाक गठजोड़ को तोड़ने के बजाय एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाकर अपने हित साधने में लगे रहते है। इससे सार्थक चर्चा नहीं हो पाती और पूरा समय गंदे बोलों के बीच समाप्त हो जाता है। लगता है इन चर्चाओं में भाग लेने के लिए ऐसे लोगों को बुलाया जाता है जो अपने निम्न स्तरीय बयानों के लिए जाने जाते है।

आज लोकतंत्र की दुहाई देने वाले नेताओं और सियासी पार्टियों के नापाक गठजोड़ से जनता जनार्दन को जागरूक होने की जरुरत है। अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर राजनैतिक दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है। भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। हालात यहाँ तक पहुँच गए है कि पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है। उनके इसी बल को देखकर उन्हें बाहुबली का नाम मिला है। कभी राजनीतिज्ञ अपराधियों का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते थे अब अपराधियों ने दूसरे को लाभ पहुँचाने के बदले खुद ही कमान संभाल ली है।

आखिर क्यों सरकार इस दिशा में कुछ कर नहीं रही? और विपक्ष भी क्यों चुप है इस मामले में? क्या इसलिए कि सबके दामन पर दाग है? क्या इसलिए कि बाहुबल, धनबल की राजनीति सबको रास आती है? ईमानदार राजनीति का तकाजा है कि राजनीति को आपराधिक तत्वों से मुक्त कराने की प्रक्रिया तत्काल शुरू हो न्याय-व्यवस्था में बदलाव लाकर राजनीति के अपराधियों के मामले निश्चित समय-सीमा में निपटाये जाएं।

नजरिया

अक्षय ऊर्जा दिवस पर विशेष

भारत के ऊर्जा भविष्य की नई तस्वीर

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा आयात से ही पूरा हो

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है।

रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया। देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता में अब बड़ा हिस्सा अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है।

हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है। आज भी देश की लगभग 70 प्रतिशत से अधिक बिजली कोयले से ही पैदा होती है, शेष बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जल, गैस व परमाणु ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

दुनियाभर में ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 75 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन बिजली उत्पादन से ही होता है। यही कारण है कि अब सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों को विशेष महत्व दिया जाने लगा है। अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, यदि अक्षय ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर विशेष ध्यान दिया जाए तो वर्ष 2050 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 70 प्रतिशत तक घटाया जा सकता है। भारत ने भी 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने और नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य वर्ष 2070 तक प्राप्त करने का संकल्प लिया है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देने से हमारी ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर कम होता जाएगा और इससे प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक जीवन स्तर में भी सुधार होगा।

भारत में अब ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी स्टोरेज और इलैक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे कदम भी तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जो अक्षय ऊर्जा को व्यावहारिक और टिकाऊ बनाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत वर्ष 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिससे भारत न केवल अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि निर्यातक देश भी बन सकेगा। सही मायने में अक्षय ऊर्जा ही आज भारत में विभिन्न रूपों में ऊर्जा की जरूरतों का प्रमुख विकल्प है, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ टिकाऊ भी है। भारत धीरे-धीरे ही सही, अब इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और आज समय है कि हम आर्थिक बदहाली और भारी पर्यावरणीय विनाश की कीमत पर ताप, जल एवं परमाणु ऊर्जा जैसे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय अपेक्षाकृत बेहद सस्ते और कार्बन रहित पर्यावरण हितैषी ऊर्जा स्रोतों के व्यापक स्तर पर विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ें। साथ ही हमें ऊर्जा की बचत की आदतें भी अपनानी होंगी क्योंकि ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही हमें सुरक्षित, समृद्ध और स्वच्छ भविष्य की ओर ले जाएगा।

महत्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि रहमान की 'भारत यात्रा यादगार' हो : भारतीय उच्चायुक्त

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि उनके बांग्लादेशी समकक्ष तारिक रहमान की प्रस्तावित ''भारत यात्रा यादगार'' हो। साथ ही उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत होते संबंधों से अंततः भारत और बांग्लादेश के लोगों तथा कारोबारियों को लाभ होगा। उच्चायुक्त की यह टिप्पणी मंगलवार को ऐसे समय आई है, जब 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए रहमान की नई दिल्ली की प्रस्तावित यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ढाका द्वारा अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर दोनों देशों के बीच संबंधों में एक बार फिर तनाव पैदा हुआ है।

समाचार पोर्टल 'टीबीएसन्यूज डॉट नेट' की खबर के मुताबिक, ढाका में मंगलवार को भारतीय उच्चायोग की ओर से प्रमुख बांग्लादेशी कारोबारी नेताओं और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की यात्रा पर आए प्रतिनिधिमंडल के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह में त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संदेश दिया है कि दोनों नेताओं को मुलाकात करनी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत यात्रा के दौरान रहमान का उचित स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने सिर्फ एक बात कही। हमें मिलना चाहिए। और आप मेरी ओर से उन्हें बता सकते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री ने आपको आश्वासन दिया है कि जब बांग्लादेश के माननीय प्रधानमंत्री भारत आएंगे, तो उनका वैसा ही सम्मानजनक स्वागत किया जाएगा, जिसके वह हकदार हैं।''

त्रिवेदी ने कहा कि मोदी चाहते हैं कि रहमान की ''भारत यात्रा यादगार'' हो। उन्होंने जोर दिया कि दोनों नेताओं के बीच मजबूत संपर्क और संवाद से दोनों पड़ोसी देशों को लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''अंततः इसका लाभ लोगों और कारोबारियों को मिलेगा। दुनिया भर के कारोबारी इस दूरी को पाटने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।''

त्रिवेदी ने कहा कि दोनों देशों को अतीत के मतभेदों को दूर करते हुए भविष्य की ओर देखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा कि आप अतीत को भूल जाएं, लेकिन अतीत को ध्यान में रखते हुए पुराने मतभेदों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। ठहराव की स्थिति में न रहें।''

अपने जीवन के बारे में लिखना आसान नहीं था : सोनिया

न्यूयॉर्क/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने अपनी आगामी आत्मकथा के बारे में कहा कि अपने जीवन के बारे में लिखना उनके लिए आसान नहीं था क्योंकि इसके लिए उन्हें वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखे गए अनुभवों और भावनाओं को उजागर करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि उनके जीवन में गम का पहाड़ टूटने और अपनों को खोने का दर्द ही उन्हें राजनीति में लेकर आया। सोनिया की 544 पन्नों की 'बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' शीर्षक वाली आत्मकथा नवंबर में प्रकाशित होगी। बीते मंगलवार को यहां प्रकाशक अल्फ्रेड ए. नॉफ की ओर से जारी एक बयान में सोनिया गांधी ने कहा, ''गम का पहाड़ टूटने और अपनों को खोने के दर्द ने मुझे राजनीति की दुनिया में ला दिया। तब तक मैं अपनी निजता की पूरी तरह रक्षा करती थी।''

उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के बारे में लिखना मेरे लिए आसान नहीं था। इसका मतलब था ऐसी बातों और उन पलों तथा अनुभवों को साझा करना, जिन्हें मैंने हमेशा अपने दिल में संजोकर रखा था।'' इस आत्मकथा को प्रकाशन संस्था नॉफ 10 नवंबर को हार्डकवर और ई-बुक संस्करण में जारी करेगी। इसका ऑडियो संस्करण पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। प्रकाशक ने बताया कि पुस्तक की पहली एक लाख प्रतियों की छपाई की घोषणा की गई है। इस प्रकाशन संस्था का मुख्यालय न्यूयॉर्क में स्थित है।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि वह चाहती हैं कि यह पुस्तक उनके जीवन में आयी खुशियों और गहरी निराशा से भरी उनकी भावनात्मक यात्रा का प्रमाण बने। उन्होंने कहा, ''मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, लेकिन बहुत कम विवरण ऐसे रहे हैं जो उनके फैसलों के पीछे की वास्तविक भावनाओं और वजहों, उनके कार्यों और उनकी बेहद मानवीय कमजोरियों की सच्चाई तक पहुंच पाए हों।''

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक कई ''मायनों में'' उनके परिवार की ''मानवीयता'' को समर्पित है। आत्मकथा में सोनिया गांधी के युद्धोत्तर इटली में उनके बचपन से लेकर भारत में उनके जीवन तक का वर्णन किया गया है, जहां उन्होंने राजीव गांधी से विवाह किया और उस समय देश की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी की बहू बनीं। सोनिया ने कहा कि राजनीति से धीरे-धीरे दूरी बनाने के बाद जब उन्होंने अपने जीवन को पीछे मुड़कर देखा, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके जीवन के हर पड़ाव को जोड़ने वाली कड़ी प्रेम और निष्ठा रही है। उन्होंने अपनी इस यात्रा को इटली के छोटे शहर में अपने बचपन की सरलता से लेकर भारत में बिताए वर्षों की ''जटिलता'' तक की यात्रा बताया। आत्मकथा की शुरुआत 1965 में इंग्लैंड के कैंब्रिज से होती है, जहां 19 वर्षीय छात्रा सोनिया माइनो को राजीव गांधी से पहली ही नजर में प्यार हो गया और बाद में दोनों ने शादी कर ली। इस पुस्तक में इंदिरा गांधी से उनकी पहली मुलाकात, हिंदी सीखने के उनके प्रयास, साड़ी पहनना और भारतीय व्यंजनों का आनंद लेना तथा गांधी परिवार पर आए दुखों के पहाड़ का भी उल्लेख है। राजीव गांधी के छोटे भाई संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मौत के बाद 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हुई।

मां की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने और इसके सात साल बाद चुनाव प्रचार के दौरान उनकी भी हत्या कर दी गई। आत्मकथा में यह भी बताया गया है कि कई वर्षों तक राजनीति में आने के दबाव को टालने के बाद सोनिया गांधी ने आखिरकार सक्रिय राजनीति में कदम रखा। इसके अलावा, 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने से उनके इनकार का भी उल्लेख है।

गांधी ने कहा कि उनकी कहानी पाठकों को भारत में पिछले छह दशकों के दौरान हुए सामाजिक और राजनीतिक बदलावों को देखने का एक अनूठा नजरिया भी देती है। उन्होंने भारत को ''खूबसूरत देश'' बताया, जिसे वह ''अपना मानती'' हैं।

नॉफ ने इस आत्मकथा को गांधी के जीवन, प्रेम, परिवार और भारत से उनके जुड़ाव की कहानी बताया है। प्रकाशक के अनुसार, यह पुस्तक भारत के स्वतंत्रता के बाद उथल-पुथल भरे इतिहास और वर्तमान ''राजनीतिक संघर्षों'' को एक अलग दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है।

'द रेवोल्यूशनरीज' हिंदी समेत 6 भाषाओं में स्ट्रीम होगी सीरीज

मुंबई/एजेन्सी

निखिल आडवाणी की पीरियड ड्रामा सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' दुनियाभर में रिलीज होने के लिए तैयार है। मंगलवार को मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए सीरीज के किरदारों को परिचय करवाने के साथ-साथ बताया है कि सीरीज 'द रेवोल्यूशनरीज' 11 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर आएगी। ये सीरीज हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और बंगाली में होगी। साथ में इंग्लिश और कई इंटरनेशनल भाषाओं के सबटाइटल्स भी मिलेंगे। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित सीरीज को मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी ने एम्मे एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। यह सीरीज संजीव सान्याल की पुस्तक 'द रेवोल्यूशनरीज:द अदर स्टोरी ऑफ हाउ इंडिया वॉन इट्स फ्रिडम' पर आधारित है। यह सीरीज युवा क्रांतिकारियों के साहस, बलिदान और ब्रिटिश राज के खिलाफ उनके उग्र विद्रोह की गाथाओं पर केंद्रित है, जो 1857 के विद्रोह के बाद के कालखंड और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के कम चर्चित किंतु प्रभावशाली स्वाधीनता सेनानियों के संघर्षों को दर्शाती है।

सीरीज की कहानी भारत की आजादी की अनसुनी कहानियों पर आधारित है, जिसमें 4 निडर नौजवान राश बिहारी बोस (भुवन बाम), सचिन्द्र नाथ सान्याल (रोहित सराफ), प्रतिभा लाहिरी (प्रतिभा रांटा) और बाघा जतिन (गुरफतेह पीरजादा) क्रांतिकारियों की कहानी दिखाई गई है।इन युवा क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश साम्राज्य जैसी बड़ी ताकत के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत की थी। 1857 की क्रांति के बाद जन्मे ये युवा क्रांतिकारी न्याय, आजादी और स्वतंत्रता में अटूट विश्वास रखते थे, जैसे-जैसे ये हथियारबंद संघर्ष के खतरनाक रास्ते पर चलते हैं, सीरीज में उनकी बहादुरी, कुर्बानियां, दोस्ती, धोखे और वो बड़े फैसले दिखाए गए हैं जिन्होंने भारत की आजादी की लड़ाई के एक अहम अध्याय को आकार दिया।

सीरीज की स्क्रिप्ट संयुता चावला शेख, अक्षिता वाधवाना, शोभित नारंग और रुत्वी मेहता ने लिखी है। इसमें दमदार कलाकारों की टोली शामिल हैं, जिनमें भुवन बाम, रोहित सराफ, प्रतिभा रांटा और गुरफतेह पीरजादा लीड रोल में हैं। वहीं जेसन शाह, पाओली दाम और तोता रॉय चौधरी भी अहम किरदार निभा रहे हैं।

'काला हिरण' फिल्म का विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के फैसले को अमित जानी ने दी चुनौती

नई दिल्ली/एजेन्सी

सलमान खान और फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगसी' के मेकर्स के बीच चल रहा विवाद अब दिल्ली हाईकोर्ट से निकलकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 27 जुलाई को फिल्म के टीजर और उससे जुड़े प्रमोशनल कंटेंट को सोशल मीडिया से हटाने का निर्देश दिया था। इस फैसले के बाद फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की बात कही थी। अब इसी मामले में उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। मेकर्स का कहना है कि दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश उनकी अभिव्यक्ति की आजादी पर रोक लगाता है। अमित जानी ने सुप्रीम कोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। उनका पक्ष है कि फिल्म बनाना और किसी सार्वजनिक घटना को अपनी कहानी के नजरिए से दिखाना अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में आता है।

इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में भी मेकर्स की ओर से यही दलील दी गई थी कि टीजर में कहीं सीधे तौर पर सलमान खान का नाम नहीं लिया गया है। उनके वकील ने कहा था कि यह केवल एक टीजर है और इसमें किसी तरह का डीपफेक या आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से बनाया गया वीडियो भी इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह पूरा मामला सलमान खान की उस याचिका से शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने फिल्म के जरिए अपने नाम, चेहरे और पहचान के कथित इस्तेमाल पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना है कि फिल्म उनके 1998 के काला हिरण मामले से जुड़ी घटनाओं पर आधारित है और इसमें उनकी छवि को इस तरह दिखाया गया है, जिससे लोगों के बीच उनके बारे में गलत धारणा बन सकती है।

सलमान ने इसे अपने पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन बताया है। जून 2026 में दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी याचिका पर फिल्म के मेकर्स को नोटिस भी जारी किया था।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब

फिल्म का टीजर सामने आया। सलमान की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि टीजर में दिखाए गए किरदार का चेहरा उनसे काफी मिलता-जुलता है। फिल्म में किरदार को सलमान के साथ जोड़ने के लिए ब्रेसलेट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया गया है। टीजर में ऐसे कई संकेत हैं, जिनसे दर्शक आसानी से इसे सलमान खान और उनके पुराने काला हिरण मामले से जोड़ सकते हैं।

सलमान के वकील ने अदालत में कहा था कि चार मामलों में से तीन में सलमान को बरी किया जा चुका है जबकि एक मामले में सजा पर रोक लगी हुई है। इसके बावजूद फिल्म में उन्हें एक ऐसे तरीके से दिखाया जा रहा है, जिससे उनकी छवि प्रभावित हो सकती है। सलमान के खिलाफ चल रहे कुछ मामले अभी अदालतों में लंबित हैं, इसलिए उन पर आधारित बताई जा रही कहानी से उनकी निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रभावित हो सकता है।

27 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए फिल्म के टीजर और उससे जुड़े ऑनलाइन प्रमोशनल कंटेंट को हटाने का आदेश दिया। अदालत ने सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म पर मौजूद लिंक हटाने के निर्देश दिए। कोर्ट ने फिल्म के प्रोड्यूसर अमित जानी के रवैये पर भी नाराजगी जताई थी। दिल्ली हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद अमित जानी ने साफ किया था कि वह मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे। उन्होंने फिल्म को लेकर अपना पक्ष रखने और इसे रिलीज करने की कोशिश जारी रखने की बात कही थी। अब उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी है।

दिशा पाटनी बनीं 'आवारापन 2' की पहली पसंद

मुंबई/एजेन्सी

अगर हाल के दिनों में सिनेमाघरों में किसी फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, तो वह 'आवारापन 2' है। पहली बार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की जोड़ी को एक रोमांटिक ड्रामा में साथ लाने वाली यह फिल्म अपनी शानदार कहानी के साथ-साथ दोनों कलाकारों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए भी चर्चा में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसी बीच निर्माता विशेष भट्ट ने बताया कि उन्होंने दिशा पाटनी को फिल्म की मुख्य अभिनेत्री के तौर पर क्यों चुना। उन्होंने कहा कि दिशा का अब तक का सफर उन्हें इस किरदार के लिए बिल्कुल सही बनाता था। विशेष भट्ट कहते हैं, इमरान और दिशा को स्क्रीन पर साथ देखना दिलचस्प है, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इससे पहले दोनों को एक साथ देखा गया है। दिशा का अपना एक अच्छा काम है। मैंने उन्हें मोहित के साथ 'मलंग' में देखा है। मैं उनसे 2012 या 2013 में मिला था, जब उन्होंने अभी शुरुआत ही की थी। दिशा पाटनी के बारे में विशेष भट्ट का मानना है कि उनमें उनकी खूबसूरती से कहीं ज्यादा है। वह कहते हैं, पिछले कुछ सालों में मुझे हमेशा लगा है कि उनका चेहरा

बहुत आकर्षक है और उनकी अपनी एक खास पर्सनैलिटी है। वह जैसी हैं और हमें इस किरदार के लिए जैसी जरूरत थी, जिस तरह से यह किरदार फिल्म में आगे बढ़ता है, उसके हिसाब से वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही लग रही थीं। यह एक बहुत ही मॉडर्न और आज के समय से जुड़ा हुआ किरदार है, जो दूसरे देश में रह रहा है। यह किरदार श्रीया सरन जैसा नहीं है। दोनों के बीच जानबूझकर एक अलग तरह का कॉन्ट्रास्ट रखा गया है। कहीं न कहीं, दिशा पाटनी को फिल्म में लेने का फैसला 'आवारापन 2' के लिए फायदेमंद साबित हुआ है। इससे न सिर्फ फिल्म की विरासत को बनाए रखने में मदद मिली, बल्कि दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में भी मदद मिली। इस साल 'ओ' रोमियो' और 'वेलकम टू द जंगल' जैसी फिल्मों के बाद दिशा पाटनी एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर लकी साबित हुई ।

मेरे लिए अब 'कंप्रेशन सॉक्स' ही हैं फैशन सामंथा रुथ प्रभु

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपने पहले बच्चे के स्वागत की तैयारी में जुटी हुई हैं और इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने बदलते फैशन को लेकर एक ऐसी पोस्ट साझा की, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। दरअसल, उन्होंने पैरों में पहने जाने वाले कंप्रेशन सॉक्स को ही अपना नया फैशन बता दिया। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में उनके पैर सूजे हुए नजर आ रहे हैं और उन्होंने कंप्रेशन सॉक्स पहने हुए है। इसी तस्वीर के साथ सामंथा ने बेहद छोटे लेकिन मजेदार अंदाज में लिखा, ''अब जिसे मैं फैशन कहती हूं- कंप्रेशन सॉक्स।'' दरअसल, आमतौर पर फैशन को कपड़ों, जूतों और गहनों से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सामंथा ने अपनी मौजूदा स्थिति में आराम देने वाले सॉक्स को ही फैशन का नया नाम दे दिया। गर्भावस्था के दौरान पैरों और पंजों में सूजन की समस्या आम होती है। ऐसे में कंप्रेशन सॉक्स पैरों में आराम देने और ब्लड सुर्कुलेशन को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। दरअसल, सामंथा ने जून

2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और उनके पति फिल्मकार राज निदिमोरु, अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंटी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।मीडिया से बातचीत में सामंथा ने कहा था कि 'मा इंटी बंगाराम' के बाद उन्हें अपनी मौजूदा स्थिति को देखते हुए थोड़ा ब्रेक लेना पड़ेगा और इसके बाद वह एक और फिल्म के साथ अपने फैंस के बीच वापस लौटेंगी।

कपल की बात करें, तो सामंथा और राज निदिमोरु ने 1 दिसंबर 2025 को शादी की थी। इस शादी में करीबी लोग ही शामिल हुए थे। दोनों की पहली मुलाकात 'द फैमिली मैन 2' के दौरान हुई थी। सामंथा ने इस चर्चित सीरीज में राजी नाम की दमदार भूमिका निभाई थी।

शुरुआत में दोनों का रिश्ता पूरी तरह पेशेवर था।'द फैमिली मैन 2' के बाद सामंथा और राज ने एक बार फिर साथ काम किया। दोनों 'सिटाडेल: हनी बनी' में साथ नजर आए, जो चर्चित वैश्विक 'सिटाडेल' सीरीज का भारतीय संस्करण था। सीरीज को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन इसके निर्माण के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने की खबरें सामने आई थीं।

अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए 'अंधभक्त' टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना 'अंधभक्ति' कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, ''अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है।'' ईशा ने कहा, ''इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे।''

अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, ''दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है।''ईशा ने कहा, ''दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।''अभिनेत्री ने आगे कहा, ''भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि लोगों की सोच भी बदले। मेरी लोगों से अपील है कि वह नए भारत के निर्माण का हिस्सा बने। मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए या राष्ट्रवादी कहिए, मैं अपने विचारों को लेकर पीछे नहीं हटूंगी।''वीडियो के आखिर में ईशा ने भारत के प्रति अपने प्यार को दोहराते हुए कहा, ''मैं अपने देश से प्यार करती हूं और भारत पर विश्वास करती हूं। जय हिंद।'' ईशा ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं।

रणनीति बनाता हूं पर अपने फायदे के लिए : मुनव्वर

मुंबई/एजेन्सी

अमेजन प्राइम वीडियो के पॉपुलर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' के पहले ही राउंड में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी बाहर हो गए हैं, जिससे कई फैंस और दर्शक हैरान रह गए। शो से बाहर आकर उन्होंने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि वह खेल में रणनीति जरूर बनाते हैं लेकिन अपने फायदे के लिए दूसरे लोगों का इस्तेमाल करना उन्हें पसंद नहीं है। उन्होंने अपने खेलने के तरीके और शो को लेकर अपनी सोच खुलकर साझा की है। आईएएनएस से मुनव्वर ने कहा, मैं जिंदगी में भी काफी सोच-समझकर फैसले लेता हूं और रियलिटी शो में भी रणनीति के साथ आगे बढ़ता हूं। दोनों रियलिटी शो में मैंने शुरुआत से कोई खास योजना बनाकर खेल नहीं खेला। मैं परिस्थितियों को समझकर उसके हिसाब से फैसला लेने में भरोसा रखता हूं। जब किसी चुनौती या काम के लिए रणनीति की जरूरत पड़ती है, तभी मैं उस दिशा में सोचता हूं। मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी बात और अपने खेल पर भरोसा रखता हूं। मैं लोगों के साथ मिलकर खेल सकता हूं लेकिन सिर्फ अपने फायदे के लिए किसी को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए खेल का मतलब सिर्फ खुद को बचाना या जीत

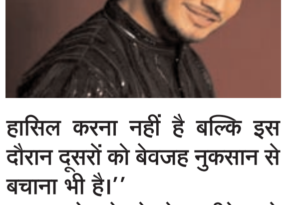

हासिल करना नहीं है बल्कि इस दौरान दूसरों को बेवजह नुकसान से बचाना भी है।''

अपने खेलने के तरीके को समझाते हुए मुनव्वर ने कहा, अगर मैं किसी व्यक्ति को किसी फैसले के लिए प्रभावित करता हूं, तो मेरी कोशिश रहती है कि उसका फायदा उस व्यक्ति को भी मिले। अगर किसी काम में मुझे 80 प्रतिशत फायदा मिलता है, तो सामने वाले को भी 20 प्रतिशत फायदा मिलना चाहिए। मैं किसी दूसरे व्यक्ति के पूरे हिस्से को अपने फायदे के लिए नहीं लेना चाहता।मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी वजह से किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। रणनीति बनाना और किसी के साथ चालाकी करना दो अलग-अलग चीजें हैं। मैं रणनीतिक तरीके से खेलना पसंद करता हूं लेकिन ऐसी रणनीति नहीं अपनाना चाहता जिससे किसी दूसरे प्रतियोगी को बिना वजह नुकसान हो।'''ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में अपने अनुभव को याद करते हुए मुनव्वर ने कहा, ''जब मैं शो में पहुंचा था, तब मेरे पास कोई तय रणनीति नहीं थी। मेरा मकसद सिर्फ खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार आगे बढ़ना था। अगर मैं निर्दोष हूं, तो मेरा काम ट्रेटर को पहचानना और पकड़ना होगा। इसके लिए अगर मुझे कोई जोखिम उठाना पड़े तो मैं पीछे नहीं हटूंगा।'' मुनव्वर ने जल्दी बाहर होने को लेकर भी मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ''मेरे हिसाब से मैंने शो में अपनी असली क्षमता बहुत ज्यादा और बहुत जल्दी दिखा दी। मेरा खेल इतना खुलकर सामने आ गया कि शायद इसी वजह से मुझे शो से बाहर कर दिया गया।''

'अनुशासन प्रिय थे आचार्यश्री अमरसेनसूरीश्वर'

चिकपेट मंदिर में हुई गुणानुवाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री अमरसेनसूरीश्वरजी के समाधिमय स्वर्गवास निमित्त चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री हिरण्यरत्नविजयजी, मुनिश्री भुवनभूषण विजयजी की निश्रा में बुधवार को गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर संतों ने कहा कि आचार्यश्री अमरसेनसूरीश्वरजी एक महान संत थे। उनके जीवन से अनुशासन, सरलता, सहजता, सौम्यता के गुण सीखने लायक हैं। आचार्यश्री को संयम बहुत प्रिय था, उन्होंने अपने जीवन काल में 70 वर्ष का संयम जीवन जिया और दूसरों को संयम के लिए प्रेरित किया। महापुरुषों का केवल गुणानुवाद मात्र करने से कुछ नहीं होगा अपितु हमें उनके जीवन के गुणों को आत्मसात करना चाहिए।

इस गुणानुवाद सभा में चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश राठौड़, प्रकाश पिरगल, अशोक संघवी, भेरूलाल दांतेवाड़िया आदि ने संतश्री के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर गुरुपूजन एवं दीप प्रज्वलन का लाभ कमलाबाई गुलाबचंद दांतेवाड़िया परिवार ने लिया। विक्रम गुरु ने सभा का संचालन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के लोक भवन में कर्नाटक के राज्यपाल के सचिवालय में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर नईम एम. को पुलिस विभाग में सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किए जाने के उपलक्ष्य में मंगलवार को जैन महावीर मंडल, टी. दासरहल्ली के अध्यक्ष सुरेश चावत, रूपेश मेहता एवं अणुव्रत समिति के मंत्री लाभेश कांसवा ने लोक भवन पहुंचकर नईम एम. का सम्मान किया तथा शुभकामनाएं दी।

विषय-वासनाओं और विकारों में फंसा मन कभी सुखी नहीं होता : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी के सान्निध्य में श्री नेमिनाथ भगवान के जन्म, दीक्षा और श्री पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक संबंधी विविध जप, तप, अनुष्ठान गतिमान हैं। बुधवार को संयम उपकरण वंदनावली के कार्यक्रम में लोगों ने और अधिक नवकार गिनने, आयंबिल आदि तप करने के चढ़ावे बोलकर संयम उपकरणों की पूजा की। प्रातः मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि इंद्रियों के वशीभूत होकर जीव अनेक जन्मों तक दुर्गतियों में भटकता है। विषय-वासनाओं और विकारों में फंसा मन कभी भी सुख-शांति का अनुभव नहीं कर सकता। इंद्रियजन्य सुख क्षणिक सुख देने जैसे हैं और अंततः दुःखों की परम्परा पैदा करने वाले हैं। जिनका मन इंद्रियों के विषयों में भटकता रहता है उनको आध्यात्मिक अमृत की अनुभूति नहीं हो सकती। हमें मन के अधीन नहीं बनना, बल्कि मन और इंद्रियों को अपने अधीन रखना है। वीतराग परमात्मा की मुद्रा परम शांत और प्रशम रस से भरी हुई होती है।यदि हम अपने मन को उनमें जोड़ देंगे तो सभी मनोविकार नष्ट हो जाएंगे। इंद्रियों की चंचलता समाप्त हो जाएगी। जिसका अंतःकरण शुद्ध होगा उसे ही चित्त रूपी दर्पण में परमात्मा की झलक मिलेगी। विषयों में आसक्ति बढ़ती चली जाती है।

संतश्री ने कहा कि इंद्रियों को तृप्त करने के लिए मन पाप कार्यों को करने के लिए भी तत्पर हो जाता है। पापों के निरंतर बढ़ते बोझ से आत्मा दुर्गतियों में जाकर दुःखों का भोक्ता बनता है। दुःखों में व्याकुल होकर आर्त्त ध्यान , रौद्र ध्यान करता है। ऐसे दुर्ध्यान करके अनंत संसार का उपार्जन कर लेता है, किंतु जब जिनवाणी श्रवण और सद्गुरु के सत्संग से जीव अपने मन को इंद्रियों के अनुकूल विषयों से मोड़कर आत्मा की तरफ करने लगता है तब उसे अपने भीतर रहे परम सुख को चखने का अवसर मिलता है ।

दोपहर में 108 पार्श्वनाथ तीर्थों में से 36 तीर्थों की भाव यात्रा का कार्यक्रम हुआ। गुरुवार को पार्श्वनाथ भगवान के निर्वाण कल्याणक पर्व पर सुबह मंदिर में निर्वाण कल्याणक के 108 अभिषेक करवाए जाएंगे व शाम को भक्ति संध्या का आयोजन होगा।

माणिक्य स्वामी जिनालय के 1400वें ध्वजारोहण के पोस्टर का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि जान-बूझकर, ज्ञान पूर्वक की गई गलती आभोग दुर्ध्यान कहलाता है और अनजाने में अज्ञानतावश हुई गलती को अनाभोग दुर्ध्यान कहते हैं। चक्रवर्ती अगर अपने अंतिम समय में संयम लेते हैं तो उन्हें शुभगति प्राप्त होती है, अगर चक्रवर्ती संयम लिए बगैर अपनी पर्याय पूरी कर देते हैं तो उनकी आत्मा नियम से नरक गति को प्राप्त करती है।

बुधवार को सभा में हैदराबाद एवं् कुलपाक तीर्थ से परमात्मा माणिक्य स्वामी जिनालय के 1400वें ध्वजारोहण पर सकल संघ व साधु साध्वियों को शामिल होने का निवेदन करने के लिए हैदराबाद संघ के सुरेन्द्र बांठिया, वसन्त बाफना, इन्दरचंद जैन, सुरेश लामाणी, गौतमचंद जैन आदि ने निवेदन किया। यह ध्वजारोहण खरतर गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर जीकी निश्रा में आयोजित होगा, जिसके पोस्टर् का विमोचन बसवनगुड़ी संघ के अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, उम्मेदराज बाफना, पुखराज कवाड़, ललित डाकलिया आदि सदस्यों ने किया।

सत्वशाली आत्माएं ही उन्नति के अवसरों को करती हैं सार्थक : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद्। शहर के महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति द्वारा आयोजित विमल वर्षावास में बुधवार को विशेष धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस आत्मा के राग-द्वेष जितने प्रगाढ़ होते हैं, वह आत्मा परमात्मतत्व से उतनी ही दूर होती है। आत्मोद्धार के लिए कषायों का विघलन जरूरी है। पत्थर की तरह कठोर व अपरिवर्तनशील बनकर आत्मविकास नहीं हो सकता। अयोग्य जीवों को दिया गया उपदेश और मिला हुआ शुभ आलंबन भी वे गवां देते हैं। उन्होंने कहा कि सत्वशाली और पुण्यशाली जीव ही अपने जीवन के उद्धार के लिए प्राप्त अच्छे अवसरों को सार्थक करते हैं। पापी और सत्वहीन आत्माएं तो साक्षात् परमात्मा को पाकर भी स्वर्णिम अवसरों को निरर्थक बना देती हैं। नियति का यह अद्भुत खेल है।

आचार्यश्री ने कहा कि सबको बदलने का ठेका लेकर आप शांति से नहीं जी सकते। जिन्हें परिवर्तन की प्यास जगती है, वे आत्माएं ही उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ती हैं। हजारों लोग तो साधकों और धर्मात्माओं का भी मज़ाक बनाकर प्रसन्नता की अमूभूति का भ्रम पालते हैं। भगवान महावीरस्वामी के काल में ऐसे अनेक लोग थे, जो भगवान के समझाने पर भी नहीं समझे, इसलिए आधुनिक युग में अपने समझाने से यदि कोई नहीं समझते हैं तो यह आश्चर्य या दुःखी होने की बात नहीं है।

पुण्य एवं सुख की अभिलाषा करने वाले को पुण्य कार्य करना चाहिए : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में बुधवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए डॉ. समकित मुनि ने 'जीवन को नई दिशा और नया जीवन' विषय पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि कर्म का विधान अटल है। यदि मनुष्य पाप के कड़वे फल और दुखों से बचना चाहता है तो उसे पापमय प्रवृत्तियों एवं अधर्म के कार्यों से पूरी तरह दूरी बनानी होगी। इसी प्रकार, यदि वह जीवन में पुण्य एवं सुख की अभिलाषा रखता है तो उसे निष्काम भाव से ऐसे पुण्य कार्य करने चाहिए, जिनका लाभ समाज और जरूरतमंदों तक पहुँच सके।

मानव स्वभाव की विडंबना पर प्रकाश डालते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज का मनुष्य पुण्य का फल तो तुरंत चाहता है, लेकिन स्वयं पुण्य के कार्य करने से बचता है। दूसरी ओर, वह निरंतर पापकर्मों में लिप्त रहता है, लेकिन उनके कटु परिणामों से बचने का प्रयास करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को आत्म-अवलोकन की सीख देते हुए कहा कि किसी अन्य की वस्तु अथवा पर-स्त्री को देखकर अपने मन के भावों और विचारों को दूषित नहीं करना चाहिए। जीवन में वास्तविक शांति और आध्यात्मिक उन्नति तभी संभव है, जब मनुष्य संयम, नैतिक मर्यादा और उत्कृष्ट श्रावकाचार के नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करे।

सत्य की शाश्वत महिमा और उसकी शक्ति को रेखांकित करते हुए संतश्री ने आगम साहित्य में वर्णित महान चरित्र सुदर्शन सेठ का प्रेरक दृष्टांत प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सत्य स्वयं सिद्ध होता है और उसे किसी सफाई अथवा प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती। सत्य न परेशान होता है न पराजित। हर युग में असत्य और अनैतिक शक्तियाँ सत्य को परेशान एवं दबाने का प्रयास करती रही हैं, लेकिन अंतिम विजय सदैव सत्य की ही होती है। कार्यक्रम के प्रारंभ में जयवंत मुनि ने भक्तिगीत की प्रस्तुति दी। नेमीचंद दलाल ने बताया कि गतिमान त्रिदिवसीय श्रावक दिशा बोध शिविर में चेन्नई से उत्तमचंद गोठी के नेतृत्व में लगभग 75 श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जम्बुकुमार दुग्गड़ ने किया।

दादीजी का सिंजारा व झूलणोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्री दादी धाम प्रचार समिति द्वारा प्रत्येक साल की तरह दादीजी का सावन का सिंजारा व झूलणोत्सव कार्यक्रम बन्नरघट्टा रोड स्थित निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर प्रांगण में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में दादीजी का श्रृंगार, अखण्ड ज्योत, 56 भोग, 16 श्रृंगार, मेहंदी प्रतियोगिता, सवामणी, दादीजी की रसोई स्वरूप प्रसाद, भजन उत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया। भजन गायक मिन्नु दुबे, रामसुन्दर बगड़िया, अलका खेड़वाल, कैलाश जालान, संजय चौधरी व अन्य भक्तों ने भजनों की प्रस्तुति दी।दादीजी के पूजा यजमान 348 सदस्यीय संस्था के लॉटरी द्वारा विनय राय ने परिवार सहित दादीजी की पूजा की व ज्योति प्रज्वलित की। सावन के महीने में सभी भक्तों ने शिवजी का जलाभिषेक भी किया। लॉटरी के माध्यम से 16 दादी भक्तों ने दादीजी को 16 श्रृंगार समर्पित किए तथा 56 भोग अर्पित किए गए। इस मौके पर नीलम अग्रवाल द्वारा प्रकाशित दादीजी की मंगलपाठ पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीत की अग्रिम शुभकामनाएं

श्रीलंका में आयोजित जीतो प्रीमियम लीग में भाग लेने जा रहे मैसूरु के प्रतिभाशाली क्रिकेट खिलाड़ी नयन चौपड़ा को बुधवार को मैसूर स्थित जीतो कार्यालय में जीतो परिवार एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने विदाई दी तथा उनका सम्मान कर जीत की अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस मौक़े पर जीतो मैसूर के उपाध्यक्ष भेरूलाल पितलिया, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, सहकोषाध्यक्ष गौतम बागमार, जीतो लेडीज़ विंग चैयरपर्सन मोना भटेवरा, उपाध्यक्ष सरिता बागमार आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थी परिषद दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली के केशव विद्या केंद्र में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के नवनिर्वाचित विद्यार्थी संसद सदस्यों ने शपथ ग्रहण की तथा विभिन्न दायित्वों के लिए उन्हें गणमान्य अतिथियों द्वारा बैज प्रदान किए गए। विद्यालय के कोषाध्यक्ष विनोदकुमार पटवा ने सभी विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अंत में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर विद्यालय के सचिव दत्तमूर्ति कुलकर्णी, प्रशासक श्रीधर जोशी, प्रधानाचार्या शरावती कुलकर्णी आदि उपस्थित थे।

भक्ति और आत्मपुरुषार्थ से ही प्रकट होती है वास्तविक महानता : संतश्री वीरमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि वास्तविक महानता सांसारिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा, समर्पण, संयम और निरंतर आत्मपुरुषार्थ से प्राप्त होती है। मनुष्य सामान्यतः धन, प्रतिष्ठा, पद और सुख-सुविधाओं को जीवन की सफलता मानता है, लेकिन ये सभी उपलब्धियां परिवर्तनशील हैं। सांसारिक स्वप्न पूरे होने के बाद भी समाप्त हो जाते हैं्। इसके विपरीत आत्मकल्याण, आध्यात्मिक साधना और मोक्ष की दिशा में किया गया पुरुषार्थ शाश्वत फल प्रदान करता है। इस मार्ग पर सच्चे गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है।

मुनिश्री ने समझाया कि गुरु-भक्ति केवल पूजा या वंदना तक सीमित नहीं है। शिष्य का मन और स्मृति गुरु के गुणों एवं उपदेशों में रमे, दृष्टि गुरु के आदर्शों को देखे, कान उनके धर्मोपदेश को सुनें और शरीर-वाणी सेवा, विनय एवं आराधना में लगे-यही सच्ची गुरु-भक्ति है। जब भक्ति साधक के जीवन का निरंतर भाव बन जाती है, तब सांसारिक आकर्षण कमजोर पड़ने लगते हैं और भीतर आध्यात्मिक तेज का जागरण होता है। मुनिश्री ने आचार्य विद्यासागर जी की महानता का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी आध्यात्मिक ऊंचाई उनके गुरु आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के प्रति पूर्ण समर्पण और कठोर साधना का परिणाम थी।

साधना के लिए नींव के पत्थर के समान है श्रद्धा : संतश्री कमलेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमलमुनिजी कमलेश ने स्थानक भवन में प्रवचन सभा में कहा कि बिना आस्था, विश्वास और श्रद्धा के कठोर से कठोर की गई साधना भी खेत में बिना बीज डाले खेती करने के समान है। साधना करना, संत बनना, दान देना सरल है, उससे अत्यंत दुष्कर है श्रद्धा का मन मंदिर में बीजारोपण होना। साधना के लिए नींव के पत्थर के समान है श्रद्धा। धर्म का प्रवेश द्वार है श्रद्धा। जिसको अपने ऊपर श्रद्धा नहीं वह धर्म भगवान और साधना पर क्या विश्वास करेगा ? उन्होंने कहा कि लोक, लाज, भय, स्वार्थ और मोह की भावना से किया गया धर्म आत्म कल्याण में सहयोगी नहीं बन सकता है। संतश्री ने कहा कि जितना डॉक्टर की वाणी पर श्रद्धा करते हैं, उतनी ही श्रद्धा हमें महापुरुषों की वाणी पर भी करनी चाहिए्।

सत्य, क्षमा, प्रेम, करुणा, आत्मा और अहिंसा पर जिसका विश्वास होगा वह अपना बलिदान देकर भी इनकी रक्षा करेगा, ऐसा करने वाला ही सच्ची सम्यकदृष्टि और श्रद्धावान है।

महावीर के सच्चे अनुयायी बनें : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जीयो और जीने दो के केवल नारे नहीं लगाएं अपितु इस सिद्धांत को अपनी जीवन में भी उतारें्। प्रभु महावीर ने इस संदेश में सुखमय जीवन जीने की सारी कला भर दी थी। मुनिश्री ने कहा कि आज व्यक्ति बहुत ज्यादा असंतुष्ट है, उसके पास जो है वह उससे तृप्त नहीं अपितु जो नहीं है उसकी चाह करता है।परिणामस्वरुप वह आज न स्वयं जी पा रहा है और न ही दूसरों को जीने दे रहा है। आज का मानव रेशम के कीड़े के समान है जो शहतूत के रस से तो तृप्त हो जाता है पर कोई उसे मार न दे तो मुंड से लार लार रूपी धागा निकाल कर अपने चारों तरफ लपेट लेता है और जाने अनजाने अपना अंत कर बैठता है। संतश्री ने कहा कि मोह माया से ऊपर उठो वरना राग भाव दुःख पीड़ा देगा। सिर्फ महावीर का नाम ही नहीं लो, महावीर के सच्चे अनुयायी बनो।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**